राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार 25 अक्टूबर 2023 वर्ष–6,अंक–274 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शिवराज ने विजयादशमी की दी बधायी

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुराई पर अच्छाई की विजय के महापर्व विजयादशमी की प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई दी है। चौहान ने अपने बधायी संदेश में कहा कि भगवान श्रीराम हम सभी को अपने भीतर व्याप्त अहंकार, क्रोध और लोभ रूपी रावण के विनाश का सामर्थ्य तथा अपने समस्त मानवीय कर्तव्यों के निर्वहन का सामर्थ्य प्रदान करें। धर्म और सत्य की विजय के इस मंगल पर्व पर प्रभु श्रीराम के चरणों में यही प्रार्थना कि सब सुखी हों, सबका मंगल और कल्याण हो, हर घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली हो।

शंकर महादेवन बोले- संघ ने भारत की संस्कृति और परम्परा बचाने और बढ़ाने का अतुलनीय काम किया

नागपुर। सुप्रसिद्ध संगीतकार और गायक पद्मश्री शंकर महादेवन का कहना है कि वर्तमान दौर में विश्व गगन पर भारत का सम्मान बढ़ रहा है। उन्होंने हाल ही में अमेरिका और यूरोपीय देशों का दौरा करने का अनुभव साझा करते हुए कहा कि वे भारत का नागरिक होने का गर्व महसूस कर रहे थे। वैश्विक जगत में एक व्यापक परिवर्तन देखने को मिला है। हमारे इस अखंड भारत की संस्कृति और परम्परा को बचाने का जो काम संघ ने किया है, वह अतुलनीय है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 98वें स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि के तौर पर नागपुर के रेशिम बाग मैदान से बोलते हुए शंकर महादेवन ने कहा कि उनके लिए आज का दिन जीवन का सबसे आनंदित करने वाला और अविस्मरणीय दिवस है। संघ के स्वयंसेवकों के बारे में उन्होंने कहा कि जैसे किसी भी गीत के पीछे सरगम यानि सा रे ग म प होता है, ऐसे ही इस भारत देश और उसकी संस्कृति और परम्परा के संरक्षण के पीछे स्वयंसेवक दिखाई देता है।

राजस्थान में बीजेपी और कांग्रेस दोनों में बगावत, किसका खेल बिगाड़ेंगे बागी ?

जयपुर। राजस्थान में बीजेपी और कांग्रेस में दोनों ही दलों में बागी बलवान बन गए है। कांग्रेस ने 74 उम्मीदवार घोषित किए है। जबकि बीजेपी ने 184। दोनों की दलों में टिकटों को लेकर कार्यकर्ताओं में रोष है। बीजेपी में हालात ज्यादा खराब है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी के घर पर नाराज कार्यकर्ताओं ने पथराव कर दिया। हालांकि, बीजपी ने डैमेज कंट्रोल के लिए केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की है। लेकिन कमेटी नाराज लोगों को मनाने में फिलहाल विफल रही है। जबकि कांग्रेस में डूंगरपुर से लेकर जयपुर तक प्रदर्शन जारी है। डूंगरपुर में विधायक गणेश घोघरा को टिकट दिए जाने पर कांग्रेस के कई नेताओं ने बगावत कर दी है। बिछीवाड़ा प्रधान देवराम रोत के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारियों ने पार्टी छोड़ दी है। जबकि जयपुर में सांगानेर में पार्टी प्रत्याशी का विरोध हो रहा है। यहां से टिकट मांग रहे पंडित सुरेश मिश्रा ने पार्टी छोड़ दी है। आदर्श नगर से विधायक रफीक खान का भी विरोध हो रहा है।

बीजेपी में ज्यादा बगावत

बीजेपी ने अब तक घोषित 124 सीटों में करीब दो दर्जन प्रत्याशियों का विरोध हो रहा है। इनमें 10 तो ऐसी हैं, जो भाजपा का गढ़ कहलाती हैं। पार्टी के प्रदेश में कुल 61 गढ़ हैं। ये वो सीटें हैं जहां भाजपा दो या इससे अधिक बार जीत चुकी है। ऐसे में विरोध जारी रहा तो पार्टी को गढ़ में नुकसान उठाना पड़ सकता है। विरोध वाली अधिकांश सीटें भाजपा के मजबूत आधार वाली हैं। यहां जीत पक्की होने के कारण टिकट के दावेदारों की ज्यादा संख्या ही विरोध का कारण बन गई है। उधर, कांग्रेस ने अभी 76 सीटों पर ही प्रत्याशी घोषित किए हैं और आधा दर्जन से ज्यादा सीटों पर विरोध हो रहा है। तीन पर तो बगावत का संकट है या शुरू हो गया है।भाजपा के चंद्रभान आक्या 2013 में 12 हजार, 2018 में 24 हजार वोट से जीते। अब टिकट कटी। कारण नहीं बताया गया। यहां नरपत सिंह राजवी को शिफ्ट किया गया। वे दो बार विधायक रह चुके हैं। आक्या निर्दलीय लड़े तो भाजपा सीट हार सकती है, क्योंकि कांग्रेस पहले भी इस सीट में 2008 में सेंध लगा चुकी है।

सांगानेर और झोटवाड़ा में विरोध

2008, 2013 में राजपाल जीते। 2018 में 1.16 लाख वोट लेकर भी हारे। अब सांसद राज्यवर्द्धन सिंह प्रत्याशी। राजपाल से ज्यादा समर्थक नाराज हैं। समर्थकों की नाराजगी मुश्किल खड़ी कर सकती है।घनश्याम तिवाड़ी 2008 में 33 हजार और 2013 में 65 हजार मतों से जीते। 2018 में नई पार्टी बनाकर उतरे। 17 हजार वोट मिले, जमानत जब्त हुई। भाजपा के अशोक लाहोटी 35 हजार वोटों से जीते। अब लाहोटी की टिकट कटी तो विरोध हो रहा। हालांकि यहां पार्टी तनाव में नहीं हैं। 2008 में कांग्रेस थी। 2013 में भाजपा के भागीरथ जीते। 2018 में भागीरथ का टिकट कटा। विकास चौधरी को लड़ाया, वे निर्दलीय सुरेश टाक से 17 हजार वोटों से हारे। भागीरथ 2019 में सांसद चुने गए फिर भागीरथ को टिकट से विकास का विरोध भारी पड़ सकता है।

उदयपुर और थानागाजी में विरोध

भाजपा का मजबूत गढ़ है। यहां से पिछले तीन चुनाव में लगातार जीते गुलाब चंद कटारिया अब असम के राज्यपाल हैं। कटारिया पिछला चुनाव 24 हजार वोटों से जीता था। बताया जाता है कि उनकी राय से टिकट बांटे गए। भाजपा में स्थानीय नेता विरोध कर रहे हैं। यहां बगावत भी हुई तो भाजपा को नुकसान ज्यादा होने की स्थिति है नहीं।

डूंगरपुर में विधायक गणेश घोघरा को टिकट दिए जाने पर कांग्रेस के कई नेताओं ने बगावत कर दी है। बिछीवाड़ा प्रधान देवराम रोत के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारियों ने पार्टी छोड़ दी है। जबकि जयपुर में सांगानेर में पार्टी प्रत्याशी का विरोध हो रहा है। यहां से टिकट मांग रहे पंडित सुरेश मिश्रा ने पार्टी छोड़ दी है।

थानागाजी : यहां से 2008 एवं 2013 में भाजपा से हेम सिंह भड़ाना विधायक रहे। वसुंधरा सरकार में खाद्य मंत्री रहे। 2018 में टिकट काट दिया तो निर्दलीय उतर गए। यहां निर्दलीय कांति मीणा जीते। दूसरे नंबर पर बागी भडाना रहे। यहां भाजपा तीसरे एवं कांग्रेस चौथे नंबर पर रही। बगावत भाजपा को नुकसान पहुंचा सकती है। भाजपा की मजबूत सीट। मार्जिन भले कम हो गया हो, लेकिन पिछले तीन चुनाव में अशोक डोगरा यहां से चुनाव जीत रहे हैं। पिछला चुनाव वे महज 613 वोटों से जीते। ऐसे में पार्टी की बगावत मजबूत सीट को संकट में डाल सकती है।यह सीट पिछले तीन चुनाव से भाजपा जीत रही है।

नेपाल के साथ भारत की भी ली नागरिकता, सुरक्षा एजेंसी को इस बात की चिंता

बॉर्डर पर अलर्ट

अल्मोड़ा। भारत-नेपाल बॉर्डर पर उत्तराखंड में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। मामले का खुलासा होने के बाद सुरक्षा एजेंसियों भी हाई अलर्ट पर हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने अब रडार रखने को कारगर प्लान बनाया है। सशस्त्रत् सीमा बल (एसएसबी) क्षेत्रक मुख्यालय के उप महानिरीक्षक डीएन भोम्बे ने कहा कि भारत-नेपाल बॉर्डर पर दोहरी नागरिकता के साथ रहने वाले लोग रडार पर हैं। त्योहारी सीजन और आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए एसएसबी पूरी तरह अलर्ट है। जवान सभी बॉर्डर आउट पोस्ट पर मुस्तैदी के साथ तैनात हैं। डीआईजी डीएम भोम्बे ने कहा कि बीते कुछ समय में भारत-नेपाल सीमा पर दोहरी नागरिकता के मामले सामने आए हैं। कुछ लोग भारत की नागरिकता लेकर यहां रह रहे हैं, जबकि उनके पास पहले से ही नेपाल की नागरिकता है। ऐसे लोगों को चिन्हित किया जा रहा है। इसके लिए स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर कार्रवाई भी की जा रही है। बताया कि 254 किमी लंबी भारत-नेपाल सीमा पर कालापानी से लेकर टनकपुर तक कुल 54 बॉर्डर आउट पोस्ट हैं। उन्होंने बताया कि भारत-नेपाल सीमा पर हर प्रकार की अवैध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। अभी सीमा पर बसे कुछ गांवों में ही दोहरी नागरिकता के मामले सामने आए हैं। एसएसबी की ओर से जिला प्रशासन को सूचना दी गई है। दोनों देशों के प्रशासनिक अधिकारियों को अपने स्तर से पहचान पत्रों के मिलान के लिए कहा गया है।

मानव और वन्यजीव तस्करी रोकना प्राथमिकता-डीआईजी भोम्बे ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा से मानव, वन्यजीव तस्करी आदि की तस्करी रोकने के लिए प्राथमिकता से कार्य किया जा रहा है। मानव तस्करी को रोकने के लिए एक विशेष टीम बनाई गई है। इसके अलावा एसएसबी के डॉक्टर सीमा से लगे गांवों में चिकित्सा शिविर लगाकर लोगों को राहत पहुंचा रहे हैं। मरीजों को इलाज के साथ मुफ्त दवाएं भी दी जा रही हैं।

दशहरा पर नागपुर में आरएसएस ने शस्त्र पूजन किया

भागवत बोले- कुछ लोग नहीं चाहते भारत में शांति हो, कट्टरता से उन्माद फैलता है

नागपुर। नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय में विजयादशमी के मौके पर आज शस्त्र पूजन किया गया। रेशिमबाग मैदान में RSS चीफ मोहन भागवत ने कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा- कुछ लोग नहीं चाहते भारत में शांति हो। समाज में कलह फैलाने की कोशिश हो रही है। कट्टरता से उन्माद फैलता है। इसी की वजह से दुनिया में युद्ध हो रहे हैं। भागवत ने कहा- दुनिया में भारतीयों का गौरव बढ़ रहा है। हमारा देश हर क्षेत्र में तेजी से तरक्की कर रहा है। दिल्ली में जी-20 समिट का आयोजन हुआ। इसमें विदेशी मेहमानों के सत्कार को लेकर भारत की सराहना हुई। दुनिया ने विविधता से सजी हमारी संस्कृति का गौरव अनुभव किया।

1. मणिपुर हिंसा हुई नहीं, कराई गई

RSS चीफ ने दावा किया कि मणिपुर में हिंसा कराई गई है। उन्होंने कहा- मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदाय सालों से एक साथ रहते रहे हैं। इन दोनों के बीच अचनाक फूट की आग कैसे लग गई? क्या हिंसा करने वाले लोगों में सीमापार के कट्टरपंथी भी थे?

सालों से वहां पर सबकी सेवा करने में वाले संघ जैसे संगठन को बिना कारण इसमें घसीटने का प्रयास किया गया। मणिपुर में अशांति और अस्थिरता से विदेशी सत्ताओं को फायदा हो सकता है। देश में मजबूत सरकार के होते हुए भी यह हिंसा किनके बलबूते इतने दिनों से चल रही है? इससे साफ है कि यह हो नहीं रहा है, करवाया जा रहा है।

2. लोकसभा चुनाव में भावनाएं भड़काकर वोट नहीं मांगना चाहिए

भागवत ने कहा- 2024 में लोकसभा चुनाव होने हैं। लोगों की भावनाएं भड़काकर वोट मांगने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। लेकिन ये फिर भी होता है। ये समाज की एकता को चोट पहुंचाती हैं। वोट डालना हर व्यक्ति का कर्तव्य है। देश की एकता, अखंडता, अस्मिता और विकास जैसे अहम मुद्दों को ध्यान में रखकर अपना वोट डालें।

3. समाज में कलह फैलाने की कोशिश हो रही

समाज विरोधी कुछ लोग अपने आपको सांस्कृतिक मार्क्सवादी या वोक यानी कहते हैं। लेकिन उन्होंने मार्क्स को 1920 दशक से भुला रखा है। वे दुनिया की सभी शुभ चीजों, संस्कृति का विरोध करते हैं। वे लोग अराजकता का प्रचार-प्रसार करते हैं।

संघ प्रमुख और शंकर महादेवन ने डॉ. हेडगेवार स्मृति पर पुष्पांजलि अर्पित की

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख (सरसंघचालक) डॉ. मोहनराव भागवत ने विजयादशमी के दिन स्मृति मंदिर में डॉ. हेडगेवार की प्रतिमा और गुरूजी स्मृति को पुष्पांजलि अर्पित की। उनके साथ सुप्रसिद्ध गायक पद्मश्री शंकर महादेवन भी थे। शंकर महादेवन रा.स्व.संघ की स्थापना के 98वें वर्ष पर आयोजित मुख्य समारोह के मुख्य अतिथि हैं। स्मृति मंदिर पहुंचने से पूर्व सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और शंकर महादेवन ने नागपुर के स्वयंसेवकों के पथ संचलन (रूट मार्च) का भी अवलोकन किया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना सन् 1925 में विजयादशमी के दिन नागपुर के मोहिते का बाड़ा नामक स्थान पर ही हुई थी। तब से प्रत्येक वर्ष विजयादशमी पर संघ अपना स्थापना दिवस मनाता आ रहा है। प्रत्येक वर्ष समाज जीवन का प्रतिष्ठित व्यक्ति सार्वजनिक समारोह का मुख्य अतिथि होता है, जबकि मुख्य उद्बोधन संघ प्रमुख का होता है जिसमें संघ के नीति निर्देशक तत्व और वर्तमान चुनौतियों पर उसका दृष्टिकोण स्पष्ट होता है। इस वर्ष के मुख्य अतिथि शंकर महादेवन ने समारोह में सम्मिलित होने से पूर्व कहा कि वे इसने अनुशासित और विशाल संगठन के स्थापना दिवस पर दिए गए सम्मान को पाकर अभिभूत हैं। समारोह में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस और केन्द्रीय मंत्री व स्थानीय सांसद नितिन गडकरी सहित बड़ी संख्या में गण्यमान्य जन उपस्थित रहे।

सावधान! अब सोच-समझकर ही निकलें बाहर; दिल्ली में अगले 6 दिन 'जहरीली' रहेगी हवा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में अगले छह दिन खराब हवा से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली के मुताबिक, छह दिन हवा खराब या बेहद खराब श्रेणी में ही रहेगी। हालांकि, दिनभर धूप के चलते रविवार की तुलना में सोमवार को प्रदूषण के स्तर में थोड़ी कमी आई है। तापमान में गिरावट और ठंड की शुरुआत में दिल्ली की हवा में प्रदूषण का स्तर लगातार सामान्य से ज्यादा बना हुआ है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, सोमवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 263 के अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को खराब श्रेणी में रखा जाता है। एक दिन पहले यानी रविवार को यह सूचकांक 313 के अंक पर यानी बेहद खराब श्रेणी में रहा था। यानी चौबीस घंटे के भीतर इसमें 50 अंकों का सुधार हुआ है, लेकिन अभी यह खराब श्रेणी में बना हुआ है।

दिल्ली को घुटन से बचाने को 10 अस्त्रों से करें प्रदूषण के रावण का वध

मानक से ज्यादा दूषित

हवा में पीएम 10 का स्तर 100 और पीएम 2.5 का स्तर 60 से नीचे रहने पर ही उसे स्वास्थ्यकारी माना जाता है। दिल्ली की हवा में अभी मानकों से दोगुना प्रदूषण मौजूद है। दिल्ली का शादीपुर क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रदूषित रहा। यहां का सूचकांक 342 के अंक पर रहा। वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली के मुताबिक प्रदूषण का स्तर खराब या बेहद खराब श्रेणी में बना रहने की संभावना है।

संवेदनशील अफसरों की नियुक्ति हो-गोपाल राय-दिल्ली सचिवालय में सोमवार को बुलाई बैठक में कुछ उच्च अधिकारियों के शामिल न होने पर पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने नाराजगी जताई। उन्होंने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर इस घटना का जिक्र करते हुए ऐसे अधिकारियों की तैनाती करने मांग की है जो प्रदूषण के प्रति संवेदनशील हों। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा गया है कि इस अति महत्वपूर्ण बैठक में पर्यावरण विभाग के प्रमुख सचिव एके सिंह, डीपीसीसी चेयरमैन व राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव अश्विनी कुमार, परिवहन विभाग के आयुक्त और प्रमुख सचिव आशीष कुंद्रा अनुपस्थिति रहे।

राजस्थान में प्रियंका गांधी की डिमांड क्यों ?

जयपुर। राजस्थान की चुनावी रण में प्रियंका गांधी एक बार फिर दौरे पर आ रही है। प्रियंका गांधी 25 अक्टूबर को अरड़ावता (झुंझुनूं) में पूर्व केंद्रीराय मंत्री शीशराम ओला की प्रतिमा का अनावरण कर सभा को संबोधित करेगी। इससे पहले प्रियंका ने 10 सितंबर को टोंक जिले के निवाई में और 20 अक्टूबर को दौसा जिले के सिकराय में जनसभाओं को संबोधित किया। प्रियंका गांधी की डिमांड के पीछे सियासी जानकार अलग-अलग वजह बता रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि प्रियंका गांधी में इंदिरा गांधी जैसी झलक दिखाई देती है। प्रियंका गांधी अपनी सभा में उन मुद्दों पर अपनी बातों में शामिल करती है जो आम जन जीवन से जुड़े हुए हैं। जबकि कुछ लोगों का कहना है कि कांग्रेस हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक जैसा प्रयोग राजस्थान में दोहराना चाहती है। इसलिए राहुल गांधी से आगे प्रियंका गांधी का चेहरा रखा जा रहा है।

आम जनता उनसे डायरेक्ट कनेक्ट हो रही है

कांग्रेस पदाधिकारियों की माने तो पार्टी के सभी नेता प्रियंका की सभाएं अपने क्षेत्र में कराना चाहते हैं। एक बार सभी सीटों के टिकट फाइनल हो जाने के बाद पार्टी स्तर पर इसके लिए विशेष कार्यक्रम बनाया जाएगा।प्रदेश की हर सीट से उनके लिए डिमांड आ रही है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि संभवत~ चुनावों से पहले राजस्थान में जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, अजमेर, बीकानेर आदि क्षेत्रों में प्रियंका की सभाएं हो सकती हैं। कांग्रेस के रणनीतिकारों की माने तो पिछ्ले एक वर्ष में कांग्रेस ने जिन दो राज्यों हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में भाजपा से छीन कर सत्ता हासिल करने में कामयाबी हासिल की है, वहां पर प्रियंका की खास भूमिका रही है। हिमाचल प्रदेश में तो भारत जोड़ो यात्रा में व्यस्त होने के कारण राहुल गांधी जा ही नहीं पाए थे, ऐसे में पूरा प्रचार प्रियंका गांधी ने ही संभाला था। कर्नाटक में भी प्रियंका ही कांग्रेस की सबसे बड़ी स्टार कैम्पेनर थीं। सियासी जानकारों का कहना है कि प्रियंका गांधी की कही बातों, वादों को लोग गंभीरता से लेते हैं। उन्होंने पिछ्ले दिनों कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में लोगों से जो वादे किए उन्हें सरकार बनते ही निभाया भी। यह उनकी साख है। आम जनता उनसे डायरेक्ट कनेक्ट हो रही है।

सफल रही हैं प्रियंका हिमाचल और कर्नाटक में

सियासी जानकारों का कहना है कि पिछ्ले एक साल में हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में जीत में प्रियंका का बड़ा योगदान रहा है। हिमाचल प्रदेश में चुनाव के समय राहुल गांधी नहीं जा पाए थे, क्योंकि वे भारत जोड़ो यात्रा में व्यस्त थे। ऐसे में प्रचार की पूरी जिम्मेदारी प्रियंका ने ही संभाली थी। कर्नाटक जीत में भी प्रियंका का बड़ा योगदान था। दोनों राज्यों में कांग्रेस की जीत के बाद अब मध्यप्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भी कांग्रेस नेता और संगठन प्रियंका गांधी की सभाएं कराने की तैयारी कर रहे हैं। राजस्थान में दो सभाएं हो गई हैं और तीसरी होने वाली है।कर्नाटक चुनावों के दौरान प्रियंका गांधी ने एक सभा में वादा किया कि कांग्रेस सरकार बनने पर सभी गृहणियों को 2000 रुपए प्रतिमाह की सहायता राशि दी जाएगी। सरकार बनने पर वहां यह राशि दी जानी शुरू हो गई है।अब यही वादा कांग्रेस ने मध्यप्रदेश में भी किया है। मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार ने इसकी काट में पहले ही लाडली बहना योजना शुरू कर प्रत्येक महिला को 1500 रुपए प्रतिमाह की सहायता राशि देना शुरू कर दिया है।

युवाओं और महिलाओं में प्रियंका के प्रति आकर्षण

युवा और महिला मतदाताओं के बीच प्रियंका को लेकर आकर्षण एक और बड़ा कारण है। जिसके चलते कांग्रेस चाहती है कि राजस्थान में विभिन्न स्थानों पर सभाएं कर मतदाताओं को जोड़ें।कांग्रेस विभिन्न महिला संगठनों और सामाजिक संगठनों को प्रियंका की सभाओं में बुलाने सहित उनसे जुड़ी महिलाओं की उनसे मुलाकात कराने की योजना भी बना रही है।राजस्थान में करीब 5 करोड़ 26 लाख मतदाता हैं, जिनमें से 2 करोड़ 21 लाख महिलाएं हैं। ऐसे में कांग्रेस इस मतदाता समूह को किसी भी तरह से अपने पक्ष में लाने के प्रयास में जुटी हुई है।

नई संसद से आईआईटी तक फैल रहा वास्तुशास्त्र

आर.के. सिन्हा

यह तो मानना होगा कि दुनिया भर में रुझान बदल रहा है और प्राचीन भारतीय विद्या वास्तुशास्त्र के प्रति लोगों में दिलचस्पी पैदा हो रही है। इसलिए यह स्वाभाविक है कि हमें अपने आर्किटेक्चर कॉलेजों में वास्तु शास्त्र को विषय के रूप में पढ़ाया जाए। पिछले कुछ वर्षों में हुई प्राकृतिक आपदाओं ने यह सिद्ध किया है कि जहां प्राकृतिक आपदाओं ने सब कुछ तहस-नहस और पूरी तरह से बर्बाद कर दिया, भारतीय वास्तु-शास्त्र के सिद्धांतों पर तैयार प्राचीन मंदिरों को कोई क्षति नहीं पहुंची ककुछ वर्ष पहले की केदारनाथ धाम की घटना को याद करें क विभीषिका केदारनाथ के ठीक पीछे से शुरू हुई थी, जिसका प्रभाव 300 किलोमीटर दूर ऋषिकेश और हरिद्वार में देखा गया, पर केदारनाथ मंदिर जस का तस खड़ा रहा ककुछ साल पहले फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार ने अपना मुंबई का आवास वास्तुशास्त्र के अनुसार बनवाया था।

देश को मिली नई संसद की इमारत का निर्माण वास्तुशास्त्र के अनुसार होने से यह स्पष्ट है कि अब भारत में वास्तुशास्त्र के नियमों और निर्देशों के अनुसार ही बड़े भवनों से लेकर पार्कों तक का निर्माण होगा। वास्तुशास्त्र को आईआईटी जैसे अति महत्वपूर्ण शिक्षण संस्थानों में भी स्वीकार्यता मिल रही है। आईआईटी, खड़कपुर में वास्तु शास्त्र को पढ़ाने का फैसला लिया गया है। ऐसा विश्वास किया जाता है कि वास्तुशास्त्र के अनुसार बनने वाली इमारतें किसी अप्रिय प्राकृतिक घटना से बचाती हैं। नई संसद या नई दिल्ली के सेंट्रल विस्टा क्षेत्र में नए सिरे से बनने वाली तमाम इमारतों में वास्तुशास्त्र के मूल बिन्दुओं का पालन करते हुए निर्माण कार्यों का होना सुखद है।

यह सर्वविदित है कि वास्तुशास्त्र अति प्राचीन भारतीय विज्ञान है। वास्तुशास्त्र के अंतर्गत चार मूल दिशाओं और दस कोणों का ध्यान रखा जाता है। वास्तुशास्त्र हमारे दैनिक जीवन को प्रभावित करता है। राजधानी के तुगलक क्रिसेंट रोड में विकसित भारत-आशियान मैत्री पार्क को भी वास्तुशास्त्र के नियमों के अनुसार नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) ने तैयार किया था। एनडीएमसी ने भारत में आयोजित आसियन शिखर सम्मेलन से पहले इस उद्यान को आसियान देशों के प्रति भारत के प्रति निष्ठा को व्यक्त करने के लिए बनाया था। अगर आप कभी भारत-आसियान मैत्री पार्क में घूमने के लिए जाएं तो वहां पर आपको अलग तरह का अहसास होगा। जब राजधानी में सूरज देवता आग उगलते हैं, तब भी वहां ठंडी बयार बहने लगती हैं।

इसका उद्घाटन तत्कालीन विदेशमंत्री सुषमा स्वराज ने सन 2018 में किया था। तब राजधानी में आसियान-भारत शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ था। जब भारत-आसियान मैत्री पार्क का श्रीगणेश हुआ था तब विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने ट्वीट में लिखा था, ह्यफलती फूलती दोस्ती। इस पार्क के उद्घाटन के अवसर पर आसियान के महासचिव ली लुंग मिन्ह भी मौजूद थे।ह्व आसियान को दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन भी कहा जाता है। इसका मुख्यालय इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में है। आसियान की स्थापना 1967 में हुई थी। इसके सदस्य थाईलैंड, इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलिपींस, सिंगापुर, ब्रूनेई, वियतनाम, लाओस, कंबोडिया और म्यांमार। एनडीएमसी राजधानी के अपने क्षेत्र में आने वाले उद्यानों को वास्तुशास्त्र के अनुसार ही पुनर्विकसित कर रही है।

प्रख्यात वास्तु विशेषज्ञ डॉ. जे.पी. शर्मा लंबे समय से सरकारी और गैर-सरकारी भवनों का निर्माण वास्तुशास्त्र के अनुसार करने की सलाह देते रहे हैं। डॉ. शर्मा मानते हैं कि ह्व देश की नई संसद का निर्माण वास्तुशास्त्र के अनुसार किया गया है। ये देश की उन्नति के लिए मील का पत्थर साबित होगा। देश में चौतरफा विकास होगा। संसद के अंदर सार्थक बहसें और लोक कल्याणकारी कानून बनेंगे।ह्व वास्तुशास्त्र पर दर्जनों किताबों के लेखक डॉ. शर्मा लगातार सरकार से मांग करते रहे हैं कि वास्तुशास्त्र को शिक्षण संस्थानों में एक मुख्य विषय के रूप में पढ़ाया जाए।

यह समझना होगा भारत में प्राचीनकाल में वास्तुशास्त्र के नियमों के अनुसार ही भवन निर्माण हुआ करता था। वास्तुशास्त्र भवन निर्माण कला की एक भारतीय विधा है। वास्तुशास्त्रियों का दावा है कि वास्तु के अनुसार बनने वाली इमारतों का उपयोग करने वालों के जीवन में सुख-शांति रहती है। डॉ. जेपी शर्मा ने बताया कि वास्तुशास्त्र के कुछ नियम बिल्कुल साफ हैं। उदाहरण के रूप में किसी भवन का मुख यदि पूरब की दिशा में है तो इससे वहां रहने या काम करने वालों के ज्ञान में वृद्धि होगी। उन पर मां सरस्वती की कृपा रहेगी। जाहिर है, जिस इंसान पर मां सरस्वती की कृपा रहेगी उसका कल्याण होना तय है। जो लोग वास्तुशास्त्र के अनुसार निर्माण की गई इमारतों में रहते या काम करते हैं, उन्हें स्वस्थ जीवन मिलता है।

देखिए हम अपने यहां ज्ञान के प्राचीन स्रोतों को लेकर बेहद लापरवाही वाला रवैया अपनाते रहे हैं। कई बार हमें खुद ही नहीं पता होता कि उनमें कितना खजाना समाया हुआ है। उस सोच में बदलाव नजर आने लगा है। कुछ समय पहले एक खबर छपी थी कि भारत की पहली आईआईटी, खड़गपुर में आर्किटेक्चर के अंडर ग्रेजुएट स्टूडेंट्स को पहले और दूसरे साल में वास्तुशास्त्र के बुनियादी नियम पढ़ाए जाएंगे। इंफ्रॉस्ट्रक्चर में पोस्ट ग्रेजुएशन करने वाले या शोधार्थियों को इस विषय को विस्तार से पढ़ाया जाएगा। यहां पहले आर्किटेक्चर और इंफ्रॉस्ट्रक्चर के पाठ्यक्रम में वास्तुशास्त्र को शामिल नहीं किया जाता था। लेकिन यहां की फैकल्टी ने पढ़ने और पढ़ाने की प्रणाली में कुछ नया करने का जब सोचा तो उनको महसूस हुआ कि छात्रों को वास्तुशास्त्र भी पढ़ाया जाए, जो पारंपरिक भारतीय वास्तुकला के अध्ययन के लिए बहुत अहम साबित हो सकता है। उनकी राय थी कि जब छात्रों को पश्चिमी जगत में प्रचलित वास्तुकला से संबंधित सिद्धांतों को पढ़ाया जा सकता है तो प्राचीन भारतीय वास्तुकला के सिद्धांत क्यों नहीं बताए जाएं। अब देश के तमाम आर्किटेक्चर कॉलेजों में भी वास्तुशास्त्र को विषय के रूप में पढ़ाए जाने का सिलसिला शुरू होना चाहिए ताकि इस विषय से भारत और सारा संसार लाभ ले सके।

वास्तुशास्त्र अध्ययन का धर्म से कोई लेना-देना नहीं है बल्कि यह शुद्ध रूप से विज्ञान के सिद्धांतों पर आधारित है। इसलिए इसे पढ़ा और पढ़ाया जाना चाहिए। कुछ मंद बुद्धि मानसिकता से ग्रसित लोग वास्तुशास्त्र और योग को हिंदू धर्म से जोड़ते हैं। हां, ये दोनों विद्या भारत की धरती से उपजी हैं। पर इनसे किसी धर्म को जोड़कर देखना सही नहीं है। आप इस तरह की छोटी सोच के लोगों का कुछ नहीं कर सकते हैं। ये अंधकार युग में रहने को अभिशप्त हैं।

खैर, यह तो मानना होगा कि दुनिया भर में रुझान बदल रहा है और प्राचीन भारतीय विद्या वास्तुशास्त्र के प्रति लोगों में दिलचस्पी पैदा हो रही है। इसलिए यह स्वाभाविक है कि हमें अपने आर्किटेक्चर कॉलेजों में वास्तु शास्त्र को विषय के रूप में पढ़ाया जाए। पिछले कुछ वर्षों में हुई प्राकृतिक आपदाओं ने यह सिद्ध किया है कि जहां प्राकृतिक आपदाओं ने सब कुछ तहस-नहस और पूरी तरह से बर्बाद कर दिया, भारतीय वास्तु-शास्त्र के सिद्धांतों पर तैयार प्राचीन मंदिरों को कोई क्षति नहीं पहुंची ककुछ वर्ष पहले की केदारनाथ धाम की घटना को याद करें क विभीषिका केदारनाथ के ठीक पीछे से शुरू हुई थी, जिसका प्रभाव 300 किलोमीटर दूर ऋषिकेश और हरिद्वार में देखा गया, पर केदारनाथ मंदिर जस का तस खड़ा रहा ककुछ साल पहले फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार ने अपना मुंबई का आवास वास्तुशास्त्र के अनुसार बनवाया था। अब देश के कई बड़े बिल्डर भी अपने प्रोजेक्ट वास्तुशास्त्र के अनुसार खड़े कर रहे हैं। वक्त की मांग है कि वास्तुशास्त्र का प्रयोग भवन निर्माण और दूसरे निर्माण कार्यों में अधिक से अधिक किया जाए।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

संपादकीय

गौर लायक आपत्तियां

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भारत सरकार की पिछले नौ वर्षा की उपलब्धियों का प्रचार करने के लिए संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव जैसे उच्च रैंक के वरिष्ठ नौकरशाहों को देश के सभी जिलों में 'रथ प्रभारी' के रूप में तैनात' किए जाने के आदेश से नाराज हैं। साथ ही, सरकारी प्रचार के लिए 'सैनिक राजदूत' बनाने के रक्षा मंत्रालय के आदेश पर भी उन्हें आपत्ति है, जिसमें वातषक छुट्टी बिताने गए सैनिकों को सरकारी योजनाओं के प्रचार–प्रसार में समय देने को कहा गया है। खरगे का मानना है कि यह देश की सेवाओं का राजनीतिककरण है और केंद्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1964 का स्पष्ट उल्लंघन है। इसके तहत किसी भी सरकारी कर्मचारी को राजनीतिक गतिविधि में भाग लेने से स्पष्ट मनाही है। खरगे के आपत्तियां नियमानुकूल हैं और एकदम से खारिज करने लायक नहीं हैं। वे इसलिए भी विचारणीय हैं क्योंकि 'तटस्थ' नौकरशाही के बेबर के तय किए अंतरराष्ट्रीय एवं स्वीकृत मानक सरकार के इस कदम से खतरा दिखता है। हालांकि लोककल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों या किसी नीति–निर्माण की सूचना लोगों को होनी ही चाहिए। इसके लिए सरकार और प्रशासन, जिला स्तर तक, के पास जनसंपर्क विभाग इसी काम के लिए होता है। वह पर्याप्त भी है। फिर इस काम में नौकरशाहों को लगाने की

जरूरत क्या है? वह भी जब विधानसभा चुनाव हो रहे हों और आम चुनाव में भी कुछ महीने रह गए हों। ऐसे में सरकार के हालिया आदेश उसकी नीयत पर सवाल खड़े करते हैं–मकसद चाहे जितना पाक–साफ हो। क्या सरकार के पास इसके कोई प्रमाण हैं कि कांग्रेस या विपक्ष शासित प्रदेशों में वहां के नौकरशाह सरकारी उपलब्धियों का ढिंढोरा पीटते हैं? अलबत्ता, नौकरशाहों के अपने पदों से इस्तीफे देकर दलीय राजनीति में आने के दर्जनों सफल उदाहरण हैं। हालांकि खरगे से सहमत होते हुए उनको यह याद दिलाना गैरमुनासिब नहीं होगा कि उनकी पार्टी की पूर्व नेता इंदिरा गांधी ने ही एक प्रतिबद्ध नौकरशाही की बात की थी। इससे सत्ताधारी दल की राजनीति और अफसरशाही की तटस्थता की लकीर मिटा दी थी। इमरजेंसी नौकरशाही के एक्सेस दुरुळपयोग का एक विद्रूप क्लाईमेक्स है। इससे चिढ़े अफसरों की इंदिराशाही के खिलाफ जमीन तैयार करने में बड़ी भूमिका थी। यह अगर दोहराया गया तो वर्तमान के लिए वैसी ही त्रासदी होगी।

टू दि प्वाइंट/ आलोक पुराणिक

साथ-साथ हैं वैसे

ममता बनर्जी की पार्टी का सांसद महुआ मोइत्रा कांग्रेस पार्टी के सांसद शशि थरूर के साथ हैं, पर ममता बनर्जी कांग्रेस पार्टी के साथ बंगाल में नहीं हैं। कनफ्यूजन मचा हुआ है। ममता बनर्जी खुद पीएम कैंडीडेट हैं और कांग्रेस के पास भी पीएम कैंडीडेट है।

एक होती है प्रति व्यक्ति आय‍ और एक होता है प्रति व्यक्ति पीएम।

प्रति व्यक्ति आय के मामले में भारत सबसे टॉप पर नहीं है, पर प्रति व्यक्ति पीएम के मामले में भारत सबसे टॉप पर माना जा सकता है। आधा दर्जन संभावित पीएम तो अभी तक टहल रहे हैं, इंडिया में। लोक सभा चुनाव से पहले करीब सौ के आसपास संभावित पीएम टहलेंगे, ऐसी उम्मीद की जा सकती है।

पीएम ही पीएम मिल तो लें–टाइप मामला मचा हुआ है। जिस नेता के पास पच्चीस एमपी ना हैं अभी, वह भी पीएम बनने का हौसला लिये घूम रहा है। लोकतंत्र कैसे भी ख्वाब देखने का हौसला दे देता है। ऐसे ख्वाब किसी और कारोबार में ना देखे जा सकते। बंगाल में एक संभावित पीएम हैं। दिल्ली में एक संभावित पीएम हैं। महाराष्ट्र में एक संभावित पीएम हैं। तेलंगाना से भी पीएम का मचलता हुआ एक ख्वाब है। बिहार के नीतीश कुमार तो जाने कब से पीएम मेटिरियल हैं। यूपी के अखिलेश यादव का पीएम शिप पर दावा स्वाभाविक बनता है, इतने महत्त्वपूर्ण राज्य के इतने महत्त्वपूर्ण नेता हैं अखिलेश यादव। प्रति व्यक्ति पीएम के मामले में भारत जैसा संपन्न देश कोई ना होगा। पाकिस्तान बन गया बहुत पहले, अगर पाकिस्तान अलग ना हुआ होता‍ तो प्रति व्यक्ति पीएम भारत में हजारों में होते। पाकिस्तान में तो ढेर पीएम हैं, जेल वाले पीएम, ब्रिटेन वाले पीएम, दुबई वाले पीएम, पीएम ही पीएम। पाकिस्तान में पीएम बनने का रूट अलग है, वहां जनता को तैयार ना करना पड़ता कि हमें पीएम बना दो‍ आर्मी राजी हो जाए, तो वहां कोई भी पीएम बन सकता है। देश आर्मी के हवाले है‍ आर्मी अलबत्ता वहां आतंकियों के हवाले है, और जनता अल्लाह के हवाले है। जो हालत इंडिया गठबंधन की है, उसमें एक शोरूम ना चल सकता अलबत्ता देश चलाने के हौसले हैं‍ यह कमाल भी पॉलिटिक्स में हो सकता है। इंडिया गठबंधन कायम रहे या नहीं, अलबत्ता इंडिया कायम है और कायम रहेगा।

क्या विपक्षी गठबंधन में सब ठीक है?

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मध्य प्रदेश में विधानसभा की कुछ सीट नहीं देने के लिए कांग्रेस को निशाना बनाया तो कहा गया कि विपक्षी गठबंधन में फूट पड़ गई और यह टूट सकता है। उधर बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी कांग्रेस पर हमला किया तब भी यही कहा गया कि गठबंधन टूट सकता है और विपक्षी गठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं है। इससे पहले वामपंथी पार्टियों ने अपने असर वाले राज्यों में तालमेल से इनकार किया तब भी विपक्षी गठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं होने की खबरें चलीं। आम आदमी पार्टी को लेकर रोज आशंका जताई जाती है कि अरविंद केजरीवाल किसी भी समय विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' को गच्चा दे सकते हैं। इस तरह की घटनाएं भाजपा के गठबंधन में भी हो रही हैं। हाल ही में तमिलनाडु में अन्ना डीएमके ने भाजपा से तालमेल तोड़ लिया है। आंध्र प्रदेश में पता ही नहीं चल रहा है कि भाजपा और टीडीपी का तालमेल होगा या परदे के पीछे से भाजपा वाईएसआर कांग्रेस से तार जोड़े रहेगी। पंजाब में भी अकाली दल के साथ उसका गठबंधन नहीं हो रहा है तो बिहार में लोक जनशक्ति पार्टी के दोनों खेमों में घमासान चल रहा है, जिसकी पंचायत भाजपा को करनी है। हैरानी की बात है कि इसके बावजूद एनडीए के बिखरने या सब कुछ ठीक नहीं होने की खबरें नहीं आती हैं। यह भारतीय मीडिया का चरित्र है वह सत्तापक्ष की कमियां नहीं बता सकती है। बहरहाल, विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का जो विवाद अभी दिख रहा है उस आधार पर किसी नतीजे पर पहुंचने की जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। क्योंकि अखिलेश यादव जो कह रहे हैं या नीतीश कुमार ने बिहार में जो कहा या सीपीएम का जो स्टैंड है वह सबकी अपनी अपनी राजनीति को लेकर है। हां, यह जरूर है कि अभी 'इंडिया' में सब कुछ ठीक नहीं लग रहा है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि विपक्षी गठबंधन बिखरने जा रहा है और सभी पार्टियां मिल कर लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ सकती हैं। यह सही है कि विपक्षी गठबंधन की आखिरी बैठक 31 अगस्त और एक सितंबर को मुंबई में हुई थी। उसके बाद से कोई बैठक नहीं हुई है। समन्वय समिति की एक बैठक 13 सितंबर को हुई थी, जिसमें भोपाल में विपक्ष की साझा रैली करने की सहमति बनी थी लेकिन वह रैली भी टल गई क्योंकि मध्य प्रदेश के अध्यक्ष कमलनाथ चुनावी सीजन में ऐसे नेताओं से दूर रहना चाहते थे, जो सनातन का विरोध कर रहे थे। समन्वय समिति में टिकट बंटवारे को लेकर भी चर्चा हुई थी और कहा जा रहा था कि 31 अक्टूबर तक इस बारे में शुरूआती फैसला हो जाएगा। लेकिन अभी उस दिशा में भी काम आगे नहीं बढ़ा है।

इसका कारण यह है कि कांग्रेस इस समय विपक्षी गठबंधन की बैठक और सीट बंटवारे के काम में नहीं उलझाना चाहती है। इस समय पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव चल रहे हैं, जिसमें कांग्रेस का बहुत कुछ दांव पर लगा है। गठबंधन की बाकी पार्टियां इन राज्यों में नहीं हैं इसलिए उनकी चिंता आगे के चुनाव की है, जबकि कांग्रेस को इन पांच राज्यों की चिंता है। उसके सारे नेता राज्यों के उम्मीदवारों के चयन, रणनीति बनाने और प्रचार में बिजी हैं। इसलिए वे गठबंधन के बारे में नहीं सोच रहे हैं। दूसरी बात यह है कि कांग्रेस पांच राज्यों के चुनाव नतीजों से पहले विपक्षी पार्टियों के साथ सीट बंटवारे में नहीं पड़ना चाहती थी। कांग्रेस को लग रहा है कि पांच राज्यों में उसका प्रदर्शन बहुत अच्छा होगा और उसके बाद वह मोलभाव करने की बेहतर स्थिति में होगी। हालांकि यह जोखिम लेने वाली बात है क्योंकि अगर पांच राज्यों में कांग्रेस का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा तो उसकी मोलभाव करने की क्षमता कम भी हो सकती है और तब विपक्षी पार्टियां उस पर ज्यादा हावी हो जाएंगे। फिर भी कांग्रेस सोच समझ कर यह जोखिम ले रही है। जहां तक बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नाराजगी का सवाल है तो उसका मुख्य कारण यह है कि नीतीश ने ही विपक्षी गठबंधन बनाने की पहल की थी और पहली बैठक पटना में कराई थी। तभी से वे उम्मीद कर रहे हैं कि उनको विपक्षी गठबंधन का समन्वयक या संयोजक बनाया जा सकता है। लेकिन तीन बैठकों के बाद भी इस बारे में फैसला नहीं हुआ। इससे वे आहत हैं। तभी वे बिहार में कांग्रेस कोटे से एक और मंत्री बनाने का फैसला भी नहीं कर रहे हैं। इससे प्रदेश स्तर पर नाराजगी बढ़ रही है। यह भी कहा जा रहा है कि राजद और जदयू दोनों मिल कर कांग्रेस को कम से कम सीटें देना चाहते हैं। इसलिए कांग्रेस की ओर से भी दबाव की राजनीति हो रही है। तभी नीतीश कुमार ने बिहार में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मौजूदगी में एक कार्यक्रम में कह दिया कि भाजपा नेताओं के साथ उनकी दोस्ती कभी खत्म नहीं होगी। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस की मनमोहन सिंह सरकार ने केंद्रीय विश्वविद्यालय के बारे में उनकी बात नहीं सुन रही थी, जबकि 2014 में बनी सरकार ने उनकी बात सुन ली। यह कांग्रेस पर दबाव बनाने की रणनीति के तहत उन्होंने कहा क्योंकि सबको पता है कि बिहार में दो केंद्रीय विश्वविद्यालय बनाने की मंजूरी कांग्रेस सरकार के समय ही हुई थी। अखिलेश यादव की नाराजगी का कारण भी स्थानीय है। वे उत्तर प्रदेश में प्रदेश कांग्रेस की ओर से चलाए जा रहे अभियानों से आहत हैं। राज्य में कांग्रेस पार्टी दलित गौरव यात्रा निकाल रही है तो कांग्रेस के नेता मायावती से तालमेल के बारे में बात भी कर रहे हैं। इसी बीच कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में समाजवादी पार्टी के लिए उसकी मांगी सीटें नहीं छोड़ीं तो अखिलेश यादव ने कहना शुरू कर दिया कि अगर राज्यों में गठबंधन नहीं हो सकता है तो राष्ट्रीय स्तर पर कैसे गठबंधन होगा। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस का रवैया यही रहा तो उस पर कौन भरोसा करेगा। हालांकि बाद में वे मान गए और विवाद खत्म किया। लेकिन इस बीच कांग्रेस और सपा नेताओं की ओर से भारी कटुता वाले बयान दिए गए थे। तभी यह कहा जाने लगा था कि विपक्षी गठबंधन बिखरने वाला है। लेकिन असल में ऐसा नहीं है। हर गठबंधन में पार्टियां बेहतर मोलभाव के लिए दबाव बनाती हैं और अंत में अपना हित देखते हुए समझौता करती हैं। 'इंडिया' के भीतर भी आखिरी समय तक यह खींचतान चलती रहेगी। **–अजीत द्विवेदी**

कब तक महिलाएं सामाजिक हिंसा का शिकार होंगी?

हाल ही में झारखंड की राजधानी रांची के रहने वाले एक पिता प्रेम गुप्ता ने जिस तरह से शादी के नाम पर धोखाधड़ी की शिकार हुई अपनी बेटी को धूमधाम से गाजे-बाजे के साथ ससुराल से वापस लाने का काम किया है, वह न केवल सराहनीय है बल्कि महिला हिंसा के विरुद्ध एक शंखनाद भी है. दरअसल हमारे समाज ने नैतिकता और परंपरा के नाम पर बहुत सारी लक्ष्मण रेखाएं बना रखी हैं. लेकिन यह केवल महिलाओं और किशोरियों पर ही लागू होता है. मां के गर्भ से लेकर अंतिम सांस तक नारी से ही इस रेखा के पालन की उम्मीद की जाती है. वहीं पुरुषों के लिए इस लक्ष्मण रेखा को रोज लांघना आम बात है. वह महिलाओं के साथ चाहे जिस तरह का अत्याचार कर ले, समाज आंखें मूंद लेता है. उसे फिक्र केवल महिलाओं और किशोरियों की होती है. अगर किसी किशोरी या महिला ने अत्याचार के विरुद्ध आवाज उठा दी तो समाज को तकलीफ होने लगती है.

21वीं सदी में भारत ने बहुत तरक्की कर ली है. साइंस और टेक्नोलॉजी हो या फिर अर्थव्यवस्था, हर क्षेत्र में आज भारत विश्व के विकसित देशों के साथ आंख से आंख मिलाकर बातें करता है. लेकिन भारतीय समाज विशेषकर भारत का ग्रामीण समाज आज भी वैचारिक रूप से पिछड़ा हुआ है. शहरों की अपेक्षा गांव में महिलाओं के साथ इस दौर में भी शारीरिक और मानसिक हिंसा आम बात है. पहाड़ी राज्य उत्तराखंड के बागेश्वर जिले के गरुड़ ब्लॉक का चोरसौ गांव इसका एक उदाहरण है. जहां महिलाएं सामाजिक हिंसा झेल रही हैं. जिनके साथ कदम कदम पर नैतिकता और परंपरा के नाम पर बंदिशें और अत्याचार किया जाता है. घर से बाहर निकलने पर किशोरियों और महिलाओं को लोगों के ताने सुनने पड़ते हैं. उन्हें घर की चारदीवारी में रहने की नसीहत दी जाती है. पति द्वारा किये जाने वाली हिंसा को सहने पर मजबूर किया जाता है. हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने वाली महिला का साथ देने की बजाये समाज उसे ही बुरा कहता है.

चोरसौ गांव की कुल जनसंख्या लगभग 3584 है. जबकि साक्षरता की दर करीब 75 प्रतिशत है. हालांकि पुरुषों की तुलना में महिला साक्षरता की दर काफी कम है. शिक्षा के इसी अभाव के कारण इस गांव की महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं हैं. जिससे वह क्या सही है और क्या गलत है, इसका फैसला नहीं कर पाती हैं. उन्हें अपने साथ होने वाले किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार के खिलाफ बोलना तक नहीं आता है. गांव की अधिकतर महिलाओं पर घर से बाहर आने जाने पर रोक-टोक की जाती है. यदि महिलाएं घर से बाहर काम पर चली भी जाती हैं तो खुद को घर के अंदर छोड़कर जाने जैसा ही होता है. इस संबंध में गांव की एक 18 वर्षीय किशोरी सिमरन कहती है कि जब हम घर से बाहर जाते हैं तो हमें लोगों के ताने और लड़कों के कमेंट्स सुनने पड़ते हैं. इन चीजों का सामना हमें हर रोज करना पड़ता है. जिसका सीधा असर हमारे स्वास्थ्य और मानसिकता दोनों पर पड़ता है. जिसकी वजह से पढ़ाई में भी मन नहीं लगता है.

गांव की एक अन्य किशोरी रितिका का कहना है कि हमें अपने जीवन में बहुत सी सामाजिक हिंसा का शिकार होना पड़ता है. हम अपनी मनपसंद के कपड़े जैसे जींस, शर्ट टॉप भी पहन कर बाहर नहीं जा सकते हैं क्योंकि न केवल लोग गलत दृष्टि से देखते हैं बल्कि इस प्रकार के कमेंट्स करते हैं कि हमें मानसिक रूप से कष्ट पहुंचती है. हमें खुद ऐसा लगता है कि न जाने हमने ऐसा क्या कर दिया है? बोलने से पहले लोग सोचते भी नहीं हैं कि हमें ऐसी सोच से हमें कितनी तकलीफ होती है. अफसोस की बात यह है कि घर के लोग भी साथ देने और हौसला बढ़ाने की जगह लड़कियों को ही दोषी मानने लगते हैं. यह किसी भी लड़की के लिए दोहरी तकलीफ होती है और वह मानसिक रूप से टूट जाती है.

वहीं 26 वर्षीय संगीता देवी कहती हैं कि महिलाएं तो अपने परिवार से लेकर बाहर की दुनिया तक किसी न किसी प्रकार की हिंसा की शिकार हो रही हैं. यदि हम इसके विरुद्ध आवाज उठाती हैं तो समाज हमारा साथ देने की जगह हमारे ही चरित्र पर सवाल उठाने लगता है. सारा दोष लड़कियों और महिलाओं पर ही डाल दिया जाता है. समाज सबसे पहले हमारे आत्म सम्मान और चरित्र पर ही उंगली उठाता है. नैतिकता और परंपरा का हवाला देकर लड़कियों और महिलाओं को इस तरह बदनाम किया जाता है कि वह अपने लिए आवाज उठाना ही भूल जाती है. इन तरह किशोरियां और महिलाएं हिंसा का शिकार होती रहती हैं. वहीं 39 वर्षीय पार्वती देवी कहती हैं कि महिलाओं के साथ केवल सामाजिक हिंसा ही नहीं, बल्कि आर्थिक हिंसा भी की जाती है. उसके साथ काम के आधार पर भी भेदभाव किया जाता है. जब एक औरत मजदूरी करने जाती है और कोई काम करती है तो उसे मात्र 230 रूपए प्रतिदिन मजदूरी दी जाती है, जबकि वही काम उतने ही घंटे में कोई पुरुष करता है तो उसे 500 रूपए मजदूरी अदा की जाती है. अगर हम इस विषय पर बात करते हैं तो यह दलील दी जाती है कि आदमी पत्थर तोड़ सकता है, लेकिन औरत नहीं. जबकि सच यह है कि एक औरत भी पुरुष की तरह पत्थर तोड़ती है. लेकिन इसके बावजूद उसे पुरुषों की तुलना में कम मजदूरी दी जाती है.

इस संबंध में, सामाजिक कार्यकर्ता नीलम ग्रैंडी का कहना है कि हमारे समाज में आज भी जहां महिलाओं को लेकर बड़ी बातें होती हैं, नारी सशक्तिकरण का नारा दिया जाता है, औरत जगत जननी है, वह कमजोर नहीं है, आदि बड़ी बड़ी बातें की जाती हैं. लेकिन सही मायने में आज भी महिलाओं को बहुत कुछ सहना पड़ता है और समाज मौन रहता है. नीलम कहती हैं कि इसके पीछे सबसे बड़ी वजह स्वयं ग्रामीण महिलाओं का अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं होना है. गांव की तुलना में शहर की महिलाएं और किशोरियां अपने अधिकारों को जानती हैं, यही कारण है कि गांव की तुलना में शहरों में महिलाओं पर अत्याचार कम होते हैं. यदि किसी कारण वह हिंसा का शिकार होती भी है तो खुलकर इसके खिलाफ आवाज उठाती है. नीलम ग्रैंडी कहती हैं कि महिलाओं के विरुद्ध अत्याचार के खिलाफ स्वयं महिलाओं को ही आवाज उठानी होगी. दूसरी ओर समाज को भी समझना होगा कि संविधान में सभी को बराबरी का हक है. वक्त बदल रहा है ऐसे में अब पितृसत्तात्मक समाज को भी अपनी सोच बदलनी होगी. सवाल यह उठता है कि जब नैतिकता और परंपरा यदि समाज को सही दिशा में ले जाने के लिए है, तो फिर पुरुषों पर भी इसे सख्ती से लागू क्यों नहीं की जाती है? -तानिया

(लेखिका सुमित्रानंदन पंत राजकीय महाविद्यालय गरुड़ में स्नातक प्रथम वर्ष की छात्रा है.)

भारत का खनिज उत्पादन अगस्त में 12.3 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली । भारत का खनिज उत्पादन अगस्त में सालाना आधार पर 12.3 प्रतिशत बढ़ा है। मोदी सरकार ने यह जानकारी दी। भारतीय खान ब्यूरो (आईबीएम) के नए आंकड़ों के अनुसार, अगस्त, 2023 के लिए खनन एवं संबद्ध क्षेत्र का खनिज उत्पादन सूचकांक 111.9 रहा, जो अगस्त, 2022 की तुलना में 12.3 प्रतिशत अधिक है। खान मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, अप्रैल-अगस्त में सालाना आधार पर खनिज उत्पादन कुल 8.3 प्रतिशत बढ़ा है। अगस्त महीने में देश का कोयला उत्पादन 684 लाख टन, लिग्नाइट उत्पादन 28 लाख टन और बॉक्साइट 14.28 लाख टन रहा। सोना, फॉस्फोराइट, मैंगनीज अयस्क और लौह अयस्क जैसे खनिजों में सकारात्मक वृद्धि देखी गई।

ज्वाइन करने के कुछ महीनों के भीतर ही वेदांता की सीएफओ सोनल श्रीवास्तव ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। वेदांता ने मंगलवार को कहा कि मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) सोनल श्रीवास्तव ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। वह अरबपति अनिल अग्रवाल की कंपनी में तीन साल में पद छोड़ने वाली तीसरी पदाधिकारी बन गई हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा कि अजय गोयल, जो फिलहाल एडटेक स्टार्टअप बायजू के सीएफओ हैं, 30 अक्टूबर से वेदांत के सीएफओ के रूप में वापस आएंगे। श्रीवास्तव जून में वेदांता में शामिल हुई थी, और जीआर अरुण कुमार और अजय गोयल के बाद 2021 से इस पद को संभालने वाली तीसरी व्यक्ति थी। कंपनी में उथल-पुथल ऐसे समय में हुई है जब वह संरचनात्मक परिवर्तन के बीच में है। कंपनी अपनी विशाल ऋण समस्या से निपटने के लिए बिज़नेस को छह अलग-अलग डिवीजन में विभाजित करना चाहती है। वेदांता रिसोर्सेज पर 4.2 बिलियन डॉलर सहित भारी बकाया है, जिसे कंपनी को अगले वित्तीय वर्ष 2024-2025 तक भुगतान करना है। कर्ज संकट के कारण इसकी रेटिंग में कई बार गिरावट देखी गई है और इस साल कंपनी के शेयरों में 30 फीसदी तक की गिरावट आई है।

डीजीसीए ने उड़ानों का शीतकालीन शेड्यूल जारी किया, 118 हवाईअड्डों से 23,732 उड़ानें संचालित होंगी

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने 2023 के लिए घरेलू शीतकालीन कार्यक्रम जारी किया है, जो घरेलू हवाई यात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि का संकेत देता है। शेड्यूल 2023 के तहत 118 हवाईअड्डों को जोड़ने वाली कुल 23,732 साप्ताहिक उड़ानें होंगी। 29 अक्टूबर, 2023 से 30 मार्च, 2024 तक प्रभावी रहने वाला यह शेड्यूल लगातार दो वर्षों तक कम घरेलू उड़ान संचालन के बाद एक उल्लेखनीय सुधार का प्रतीक है। डीजीसीए के अनुसार, इस शीतकालीन कार्यक्रम की असाधारण विशेषताओं में से एक साप्ताहिक प्रस्थान में उल्लेखनीय वृद्धि है, जिसमें 118 हवाईअड्डों से आने-जाने के लिए कुल 23,732 उड़ानें संचालित होने वाली हैं।यह पिछली ग्रीष्मकालीन अनुसूची में 110 हवाईअड्डों से 22,907 साप्ताहिक प्रस्थानों की तुलना में काफी वृद्धि दर्शाता है। डीजीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, इन 118 हवाईअड्डों में से भटिंडा, जैसलमेर, लुधियाना, नांदेड़, शिवमोगा, सलेम, उत्केला, हिंडन और जीरो अनुसूचित एयरलाइनों द्वारा प्रस्तावित नए अतिरिक्त हवाईअड्डे हैं। हालांकि, गोंदिया हवाईअड्डा 2023 की शीतकालीन अनुसूची में परिचालन का हिस्सा नहीं होगा। डीजीसीए ने कहा कि एलायंस एयर 914, एयर इंडिया 2,367, एयर एशिया 1,457, इंडिगो 13,119, स्पाइसजेट 2,132, विस्तारा 1,902, स्टार एयर 247, एयर इंडिया एक्सप्रेस 483, अकासा एयर 790 और पवन हंस 18 अतिरिक्त उड़ानें संचालित करेगा। एयरलाइन के अनुसार, एलायंस एयर ने 3.04 प्रतिशत, एयर इंडिया ने 8.68 प्रतिशत, गो एयर ने परिचालन में 100 प्रतिशत की कमी देखी, एयर एशिया में न्यूनतम 0.07 प्रतिशत की वृद्धि, इंडिगो में 14.43 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि, स्पाइसजेट में 4.82 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। गिरावट, विस्तारा में 2.48 प्रतिशत की वृद्धि, स्टार एयर में 5.56 प्रतिशत की वृद्धि, एयर इंडिया एक्सप्रेस में उल्लेखनीय 36.59 प्रतिशत की वृद्धि, अकासा एयर में 5.19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की और इसमें पवन हंस ने प्रवेश किया।

इजरायल-हमास युद्ध के कारण सोने और चांदी की कीमत को लगे पंख

नई दिल्ली ।

इजरायल-हमास युद्ध ने सोने-चांदी की गिरती कीमतों को न केवल थाम लिया बल्कि इस बूस्ट भी कर दिया। सात अक्टूबर को इजरायल पर हमास ने हमला किया और इसके पहले छह अक्टूबर को भारतीय सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 56539 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी के रेट उस दिन 67095 रुपये प्रति किलो पर था। तब से अबतक सोना 4159 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा होकर 60698 रुपये पर पहुंच गया है। जबकि, चांदी 4999 रुपये प्रति किलो की उड़ान भरकर 72094 रुपये पर पहुंच गया है। बाजार जानकार ने सोने-चांदी के रेट में उछाल की चार वजह बताते हुए कहते हैं कि मीडिल-ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच इंटरनेशनल मार्केट में सोने का भाव 3 महीने के ऊंचे स्तर 1,978 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया है। सोने का यह हाजिर भाव 20 जुलाई 2023 के बाद से सबसे ऊंचा स्तर है। ज्यादातर विश्लेषक मान रहे हैं कि अगले साल दूसरी छमाही से अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेड ब्याज दरों में कटौती शुरू कर सकता है। ये सोने में उछाल की सबसे बड़ी वजह होगी। जानकार बताते हैं कि पहले से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच इजराइल और हमास के बीच शुरू हुए ताजा सैन्य संघर्ष पूरी दुनिया में अनिश्चितता बढ़ा दी है। दूसरी तरफ दुनिया भर के केंद्रीय बैंक सोने की खरीदारी कर रहे हैं। खास तौर पर चीन का सेंट्रल बैंक सोने की तगड़ी खरीद कर रहा है। इससे सोने की कीमतों को बड़ा सपोर्ट मिला। अगर हालात इसतरह के रहे बहुत जल्द सोना अपना पिछला ऑल टाइम हाई के स्तर को भी पार कर जाएगा। उन्होंने कहा, मई की शुरुआत में ग्लोबल बैंकिंग संकट और अमेरिका में डेट-सीलिंग को लेकर गतिरोध ने सोने की कीमतों को तगड़ा सपोर्ट किया। 5 मई को

सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने का हाजिर भाव ऑल टाइम हाई 61739 रुपये पर पहुंच गया था। वहीं, चांदी इस दिन 77280 रुपये प्रति किलो थी। अब घरेलू बाजार में दिवाली तक सोने की जोरदार मांग रहेगी। फिर शादियों के सीजन में खूब सोना खरीदा जाएगा।

इरेडा के जुलाई-सितंबर तिमाही में शुद्ध लाभ में 54प्रतिशत की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। सरकारी स्वामित्व वाली मिनी-रत्न कंपनी, भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (आईआरईडीए) ने सोमवार को चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में शुद्ध लाभ 54प्रतिशत बढ़कर 284.7 करोड़ रुपये होने की घोषणा की। कंपनी को पिछले वर्ष की समान तिमाही में 184.3 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इरेडा के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक प्रदीप कुमार दास ने कहा, यह ऋण पुस्तिका में लगातार वृद्धि और शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) में साल-दर-साल 2.72 प्रतिशत से 1.65 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी के कारण प्रेरित हुआ है। अन्य प्रमुख वित्तीय विशेषताओं में परिचालन से कुल आय 1,176.96 करोड़ रुपये है, जो पिछले वर्ष 791.56 करोड़ रुपये थी (49 प्रतिशत अधिक), ऋण पुस्तिका 33,783.36 करोड़ रुपये की तुलना में 47,514.48 करोड़ रुपये (41 प्रतिशत अधिक) और शुद्ध संपत्ति 5,638.31 करोड़ रुपये (17 प्रतिशत अधिक) की तुलना में 6,580.61 करोड़ रुपये हो गई। शुद्ध एनपीए 2.72 प्रतिशत की तुलना में 1.65 प्रतिशत (39 प्रतिशत की कमी) और सकल एनपीए 5.06 प्रतिशत की तुलना में 3.13 प्रतिशत (38 प्रतिशत की कमी) पर था।

सीसीपीए ने भ्रामक विज्ञापन के लिए 20 आईएएस कोचिंग संस्थानों को नोटिस जारी किया, 2 पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली। भ्रामक विज्ञापन देने वाले आईएएस कोचिंग संस्थानों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने सोमवार को 20 अकादमियों को नोटिस जारी किया, जबकि दो संस्थाओं पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया। सीसीपीए ने इन संस्थानों को नोटिस जारी करते हुए कहा कि यूपीएससी के तीन चरण हैं, प्रारंभिक, मुख्य और साक्षात्कार, जबकि यह ध्यान दिया गया कि अधिकांश रैंक धारकों ने अपने विज्ञापनों में इन कोचिंग संस्थानों से केवल मॉक इंटरव्यू लिए थे। रडार पर मौजूद संस्थानों ने अपने पूर्व छात्रों के रूप में रैंक धारक छात्रों की बढ़ी हुई संख्या दिखाई। सीसीपीए की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, आईक्यूआरए आईएएस और चहल एकेडमी के साथ-साथ राऊ के आईएएस पर भी एक-एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। घटनाक्रम से वाकिफ सूत्रों ने बताया कि यूएनएकेडमी के मामले में सीसीपीए ने आदेश सुरक्षित रख लिया है और एक या दो दिन में जारी होने की संभावना है। हालांकि राऊ के आईएएस ने सीसीपीए के आदेश के खिलाफ राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) में अपील की है। सूत्रों ने बताया कि आईएएस बाबा नामक एक अन्य अकादमी को सीसीपीए द्वारा जारी नोटिस पर स्थगन आदेश मिल गया है। सूत्रों ने बताया कि अन्य सभी संस्थान जांच और सुनवाई के विभिन्न चरणों में हैं। कुछ प्रमुख आईएएस कोचिंग संस्थान जिनकी जांच चल रही है, उनमें दृष्टि आईएएस, बायजूस आईएएस, वाजीराव एंड रेड्डी, विजन और योजना शामिल हैं।

भारत 2030 तक जापान को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर : एसएंडपी

नई दिल्ली।

2030 तक भारत की जीडीपी दोगुनी होकर 7.3 ट्रिलियन डॉलर होने के साथ जापान को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की संभावना है।लेटेस्ट एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी डॉलर में मापी गई भारत की सांकेतिक जीडीपी 2022 में 3.5 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 2030 तक 7.3 ट्रिलियन डॉलर होने का अनुमान है। आर्थिक विस्तार की इस तेज रफ्तार के परिणामस्वरूप 2030 तक भारतीय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का आकार जापानी सकल घरेलू उत्पाद से अधिक हो जाएगा, जिससे भारत एशिया-प्रशांत क्षेत्र में दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। जापान वर्तमान में अमेरिका और चीन के बाद दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। पिछले दशक में भारत में एफडीआई में तेजी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अनुकूल दीर्घकालिक विकास दृष्टिकोण को दर्शाती है, जिसे यूथफुल डेमोग्राफिक प्रोफाइल और तेजी से बढ़ती शहरी घरेलू आय से मदद मिली है। 2022 तक भारतीय जीडीपी का आकार ब्रिटेन और फ्रांस की जीडीपी से भी बड़ा हो चुका था। रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक भारत की जीडीपी जर्मनी से भी आगे निकलने का अनुमान है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के नए अनुमानों के अनुसार, जापान का सांकेतिक सकल घरेलू उत्पाद इस वर्ष जर्मनी से आगे निकल जाएगा क्योंकि यह अमेरिकी डॉलर के आधार पर दुनिया में नंबर 3 से नंबर 4 पर फिसल गया है। उभरते बाजार में भारत बेहतर प्रदर्शन करने वालों में से एक था। देश में निजी क्षेत्र की बिक्री 13 वर्षों में दूसरी सबसे तेज गति से बढ़ी, जिससे उत्पादन विस्तार में मदद मिली। एसएंडपी ने कहा कि रूस में भी मजबूत वृद्धि दर्ज की गई, लेकिन मुख्य भूमि चीन का विस्तार धीमा हो गया, जबकि ब्राजील लेटेस्ट सर्वेक्षण अवधि में संकुचन में वापस आ गया।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि तीसरी तिमाही के अंत में वैश्विक आर्थिक विस्तार में गिरावट जारी रही, जो आठ महीनों में सबसे धीमी हो गई।

इस कंपनी ने निवेशकों को दिया छप्परफाड़ रिटर्न

मुंबई ।

अलग-अलग तरह के सोलर ग्लास बनाने वाली कंपनी बोरोसिल रिन्यूएबल्स के शेयरों ने पिछले कुछ साल में छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयरों में 300000 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी आई है। बोरोसिल रिन्यूएबल्स के शेयर इस अवधि में 13 पैसे से बढ़कर 400 रुपये के पार पहुंच गए हैं। बोरोसिल रिन्यूएबल्स के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 589.55 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 380.05 रुपये है।

बोरोसिल रिन्यूएबल्स के शेयर 31 अक्टूबर 2003 को मुंबई शेयर बाजार में 13 पैसे पर थे। मल्टीबैगर कंपनी के शेयर 23 अक्टूबर 2023 को 405.85 रुपये पर बंद हुए हैं। बोरोसिल रिन्यूएबल्स के शेयरों ने इस अवधि में 312000 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। अगर किसी व्यक्ति ने 31 अक्टूबर 2003 को बोरोसिल रिन्यूएबल्स के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता, तब मौजूदा समय में इन शेयरों की वैल्यू 31.12 करोड़ रुपये होती।

बोरोसिल रिन्यूएबल्स के शेयरों में पिछले 10 साल में 4600 प्रतिशत का उछाल आया है। कंपनी के शेयर 25 अक्टूबर 2013 को 8.63 रुपये पर थे। बोरोसिल रिन्यूएबल्स के शेयर 23 अक्टूबर 2023 को बीएसई में 405.85 रुपये पर बंद हुए हैं।

अगर किसी व्यक्ति ने 25 अक्टूबर 2013 को बोरोसिल रिन्यूएबल्स के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने इनवेस्टमेंट को बनाए रखा होता तब मौजूदा समय में इन शेयरों की वैल्यू 47.02 लाख रुपये होती। पिछले 3 साल में बोरोसिल रिन्यूएबल्स के शेयरों में 340 प्रतिशत का उछाल आया है।

हेल्थकेयर स्टाफिंग स्टार्टअप नोमैड हेल्थ ने की 17 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी

सैन फ्रांसिस्को। हेल्थकेयर स्टाफिंग स्टार्टअप नोमैड हेल्थ ने अपने कॉर्पोरेट कार्यबल में से 17 प्रतिशत को नौकरी से निकाल दिया है, क्योंकि महामारी के बाद नर्सों और अन्य अस्थायी स्वास्थ्य कर्मियों की मांग कम हो गई है। नोमैड के सह-संस्थापक और सीईओ एलेक्सी नाज़ेम ने फोर्ब्स से पुष्टि की कि कर्मचारियों की संख्या 691 से घटकर 572 हो गई है।नाज़ेम ने कर्मचारियों को एक ईमेल में लिखा, हेल्थकेयर स्टाफिंग बाजार मात्रा और कीमत दोनों में अनुमान से कहीं अधिक तेज गति से कम हो रहा है।प्रभावित कर्मचारियों को न्यूनतम छह सप्ताह का मूल वेतन और एक महीने का भुगतान स्वास्थ्य बीमा कवरेज विच्छेद के रूप में मिलेगा।नोमैड कर्मचारियों को कार्यालय लैपटॉप रखने और नौकरी विस्थापन सेवाएं प्रदान करने की भी अनुमति दे रहा है। सीईओ नाजेम ने कहा,卐हमने इस नतीजे से बचने के लिए बहुत कोशिश की है। हमने गैर-कार्मिक संबंधी खर्चों में कटौती की है। नोमैड प्रबंधन टीम के सभी लोगों ने वेतन में भी कटौती की है। 2015 में स्थापित, अमेरिका स्थित नोमैड हेल्थ ने आज तक इक्विटी और ऋण वित्तपोषण में 200 मिलियन डॉलर से अधिक जुटाए हैं।नाज़ेम ने कहा कि नोमैड हेल्थ पूरे बाज़ार की तुलना में बहुत तेज़ी से बढ़ा।

महंगाई की पिच पर ताबड़तोड़ बैटिंग कर रही तुअर दाल

- खाद्य तेल की कीमत औंधेमुंह गिरी

नई दिल्ली ।

भारतीय पिचों पर विराट कोहली का बल्ला जिस तरह से आग उगल रहा है, ठीक उसी तरह महंगाई के पिच पर अरहर दाल बैटिंग कर रही है। जबकि, सरसों तेल, सोया ऑयल जैसे खाद्य तेलों का हाल पाकिस्तान जैसा हो गया है। पिछले 10 महीनों में अरहर दाल की कीमतों में करीब 35 फीसद का उछाल आया है, तब सरसों तेल करीब 19 फीसद सस्ता हो गया है।

उपभोक्ता मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक तुअर दाल की औसत की कीमत 111.50 रुपये से उछल कर 150.48 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई है। पिछले 10 महीनों में यह उछाल आया है। सोमवार को अरहर दाल का अधिकतम मूल्य 188 रुपये प्रति किलो और न्यूनतम 75 रुपये था। मॉडल मूल्य 160 रुपये प्रति किलो रहा। इसी तरह उड़द दाल, मूंग दाल, चना दाल भी महंगाई की पिच पर ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए क्रमशः 10.24 फीसद, 11.51 फीसद और 13.76 फीसद उछल चुके हैं। चुनावी साल में भले ही प्याज इस बार लोग की पहुंच से बाहर नहीं हुआ है, लेकिन 10 महीने पहले के मुकाबले यह महंगाई की पिच पर रोहित शर्मा की तरह बैटिंग कर रहा है। प्याज इस अवधि में करीब 40 फीसद महंगा हुआ है। 23 दिसंबर 2022 को प्याज की औसत कीमत 26.65 रुपये प्रति किलो थी, जो अब 27.27 रुपये पर पहुंच गई है। हालांकि आलू 3.59 फीसद सस्ता होकर 24.41 रुपये प्रति किलो पर आ गया है। दूसरी ओर चंद महीने पहले जबरदस्त फार्म में चल रहे टमाटर का प्रदर्शन फीका दिख रहा है। हालांकि, 10 महीने पहले के मुकाबले यह भी करीब 10 फीसद चढ़कर 27.19 रुपये से 29.80 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गया है। इस वर्ल्ड कप में

पाकिस्तान का जिस तरह से हाल है, वैसा खाद्य तेलों का भी हो चुका है। महंगाई की पिच पर खाद्य तेल औंधेमुंह गिरे हैं। सरसों तेल 10 महीने पहले के मुकाबले 168.84 रुपये प्रति लीटर से गिरकर 126.78 पर आ गया है। सूरजमुखी तेल का प्रदर्शन तब बाबर आजम जैसा हो गया है। यह करीब 25 फीसद गिरकर 166 से 125 पर आ गया है। सोया तेल में 18 फीसद से अधिक की गिरावट है।

भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बीच सोने में तेजी की उम्मीद

नई दिल्ली।

तत्काल अवधि में सोने में तेजी की उम्मीद है। एमके वेल्थ मैनेजमेंट के अनुसार, तकनीकी रूप से सोने का मूल्य लक्ष्य 1,990 और 2,030 डॉलर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कमजोर डॉलर परिदृश्य में सोने के काफी ऊपर जाने की सामान्य प्रवृत्ति के विपरीत, मजबूत डॉलर परिदृश्य के बावजूद सुरक्षित आश्रय स्थिति का महत्व बढ़ गया है। मध्य-पूर्व में चल रहे संघर्ष ने निवेशकों की सोने के प्रति प्राथमिकता को बढ़ा दिया है, जिसके परिणामस्वरूप परिसंपत्ति वर्ग में कीमतों में वृद्धि हुई है। सोने की कीमतों को 1,880 और 1,860 डॉलर के स्तर पर अच्छा समर्थन मिला हुआ है। संघर्ष की स्थिति उत्पन्न होने से पहले का परिप्रेक्ष्य लेते हुए सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में लगातार मुद्रास्फीति के बावजूद, सोना ज्यादा बढ़ने में सक्षम नहीं था, क्योंकि मुद्रास्फीति के साथ बेहद कठोर मौद्रिक नीति आई, जिसने ब्याज दरों को ऊंचा कर दिया। मुद्रा बाजार की पैदावार में वृद्धि ने मुद्रा की पैदावार को आकर्षक बना दिया है और इसके परिणामस्वरूप सोना ज्यादातर समय बग़ल में घूम रहा है। लेकिन अधिक दिलचस्प तथ्य यह है कि पिछले तीन महीनों में सोने की कीमतें किसी भी प्रमुख समर्थन स्तर से नहीं टूटी हैं। आपूर्ति के मोर्चे पर उम्मीद यह है कि खदानों से ताजा आपूर्ति के साथ-साथ इस्तेमाल किए गए सोने की आपूर्ति अपेक्षाकृत अधिक होगी। रिपोर्ट में कहा गया है, हमें

केंद्रीय बैंकों से भी मांग जारी रहने की उम्मीद है। साल 2024 के मध्य में एक आसान मौद्रिक नीति रुख लागू होने का अनुमान है, जो अब से लंबी स्थिति लेने वाले निवेशकों के लिए वृद्धिशील मूल्य लाने में मदद करेगा।

बायजू ने वित्त में शीर्ष नेतृत्व में किया बदलाव

नई दिल्ली।

एडटेक प्रमुख बायजू ने मंगलवार को अपने वित्त कार्य में नए नेतृत्व की घोषणा की।इसमें उद्योग के दिग्गज प्रदीप कनकिया को वरिष्ठ सलाहकार नियुक्त किया गया और नितिन गोलानी, जो वर्तमान में अध्यक्ष-वित्त हैं, ने मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ)के रूप में अतिरिक्त जिम्मेदारी संभाली है। मौजूदा सीएफओ, अजय गोयल, वेदांता लिमिटेड में लौट रहे हैं, जिसे उन्होंने अप्रैल में छोड़ दिया था। यह घटनाक्रम 19 महीने से अधिक की देरी के बाद हुआ है, बायजू द्वारा इस महीने वित्त वर्ष 2022 के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा करने की उम्मीद है। गोयल ने कहा,मैं तीन महीने में वित्त वर्ष 2022 के ऑडिट इकट्ठा करने में मेरी मदद करने के लिए बायजू के संस्थापकों और सहकर्मियों को धन्यवाद देता हूं। मैं बायजूज़ में एक छोटे लेकिन प्रभावशाली कार्यकाल के दौरान मिले समर्थन की सराहना करता हूं। कंपनी ने एक बयान में कहा, वित्त वर्ष 2022 के ऑडिट की औपचारिकताएं पूरी करने के बाद गोयल बदलाव करेंगे। एडटेक प्रमुख ने कहा कि कनकिया, प्राइस वॉटरहाउस और केपीएमजी में नेतृत्व पदों पर रहे हैं, उनके पास 35 वर्षों से अधिक के प्रमुख करियर का व्यापक अनुभव है। कनकिया ने कहा, मैं कंपनी में परिवर्तन प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में संस्थापकों, सलाहकार परिषद और नितिन के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। गोलानी पहले आकाश एजुकेशन में मुख्य रणनीति अधिकारी थे। उन्होंने 2021 में बायजू के 1 बिलियन डॉलर में आकाश के अधिग्रहण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अधिग्रहण के बाद आकाश में एक परिचालन भूमिका में आ गए। बायजू के संस्थापक बायजू रवींद्रन और दिव्या गोकुलनाथ ने कहा, ÷व्यवसाय और वित्त पर उनका अनुभव, समझ और अंतर्दृष्टि हमारे चल रहे बदलाव प्रयासों में मदद करेगी। गोलानी ने कहा कि वह एक समर्पित टीम के साथ नई भूमिका निभाएंगे। कंपनी इस महीने वित्त वर्ष 2022 के लिए अपने वित्तीय नतीजे घोषित कर सकती है। कंपनी ने कहा कि समूह की सभी सहायक कंपनियों का ऑडिट पूरा हो चुका है और इसे अपनाया जा चुका है।बायजू पहले सितंबर में वित्त वर्ष 2022 के वित्तीय परिणाम दाखिल करने की अपनी समय सीमा से चूक गया था। कंपनी ने वित्त वर्ष 2022 के लिए खातों की मंजूरी और अपनाने के लिए अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में एक बोर्ड बैठक बुलाई थी।

अमेज़ॅन ने आईओएस व वेब पर उपयोगकर्ताओं के लिए पासवर्ड रहित साइन-इन किया शुरू

नई दिल्ली।

अमेज़ॅन ब्राउज़रों और मोबाइल शॉपिंग ऐप्स (आईओएस उपयोगकर्ताओं) पर पासकी समर्थन शुरू कर रहा है, इससे ग्राहकों के लिए पासवर्ड रहित साइन-इन के साथ अपने खातों तक पहुंच आसान और सुरक्षित हो जाएगी। ग्राहक अब अपनी अमेज़ॅन सेटिंग्स में पासकी सेट कर सकते हैं, इससे उन्हें अपने डिवाइस को अनलॉक करने के लिए उपयोग किए जाने वाले उसी चेहरे, फिंगरप्रिंट या पिन का उपयोग करने की अनुमति मिलती है। अमेज़ॅन में ई-कॉमर्स के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डेव ट्रेडवेल ने कहा, यह ग्राहकों को उनके अमेज़ॅन अनुभव में एक साथ उपयोग में आसानी और सुरक्षा प्रदान करने के बारे में है। हालांकि निकट भविष्य में भी पासवर्ड मौजूद रहेंगे, यह सही दिशा में एक रोमांचक कदम है। ट्रेडवेल ने कहा, हम इस नई प्रमाणीकरण पद्धति को जल्दी अपनाने से रोमांचित हैं, इससे अधिक सुरक्षित, पासवर्ड रहित इंटरनेट के लिए हमारे दृष्टिकोण को साकार करने में मदद मिलेगी। ई-कॉमर्स दिग्गज ने सोमवार देर रात एक बयान में कहा कि ब्राउज़र का उपयोग करने वाले सभी अमेज़ॅन ग्राहकों के लिए पासकी समर्थन उपलब्ध है और इसे धीरे-धीरे आईओएस अमेज़ॅन शॉपिंग ऐप पर भी उपलब्ध कराया जा रहा है, साथ ही एंड्रॉइड अमेज़ॅन शॉपिंग ऐप पर भी जल्द ही समर्थन मिलने लगेगा। पासवर्ड के विपरीत, पासकी को लिखा या अनुमान नहीं लगाया जा सकता है, जिससे हैकर के साथ पासकी के आकस्मिक साझाकरण को रोकने में मदद मिलती है। अमेज़ॅन ने कहा,÷जब कोई ग्राहक अपने डिवाइस पर पासकी का उपयोग करता है, तो यह साबित होता है कि उनके पास उनका डिवाइस है और वे इसे अनलॉक करने में सक्षम हैं। ग्राहकों को अब अद्वितीय पासवर्ड याद रखने या नाम या जन्मदिन जैसे आसानी से अनुमान लगाने वाले पहचानकर्ताओं का उपयोग करने के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। ग्राहक ऐप्स और साइटों में साइन इन करने के लिए पासकी का उपयोग उसी तरह कर सकता है, जैसे वे अपने डिवाइस को फिंगरप्रिंट, फेस स्कैन या लॉक स्क्रीन पिन के साथ अनलॉक करते हैं। कंपनी ने कहा कि पासवर्ड और टेक्स्ट संदेशों में वन-टाइम कोड की तुलना में पासकीज़ फ़िशिंग हमलों के प्रति कम संवेदनशील होते हैं, इससे वे अधिक सुरक्षित विकल्प बन जाते हैं।

नीदरलैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया को रहना होगा सतर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। बल्लेबाजों के लय में आने से उत्साहित ऑस्ट्रेलिया की टीम वनडे विश्व कप में बुधवार को नीदरलैंड के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो उसकी कोशिश एक और प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ जीत की लय को जारी रखने की होगी। पांच बार की चैम्पियन टीम ने टूर्नामेंट में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद श्रीलंका और पाकिस्तान पर आसान जीत के साथ शानदार वापसी की है।

ऑस्ट्रेलिया को हालांकि उलटफेर से भरे इस विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ प्रभावशाली जीत दर्ज करने वाली नीदरलैंड के खिलाफ सतर्क रहना होगा। नीदरलैंड की टीम भी पाकिस्तान पर अफगानिस्तान की जीत से प्रेरणा लेकर टूर्नामेंट में अपनी अभियान को जीवित रखने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। पाकिस्तान के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के दमदार प्रदर्शन को देखते हुए उसके लिए हालांकि यह आसान नहीं होगा। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज लय में है और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड तथा मिशेल स्टार्क के साथ स्पिनर एडम जम्पा भी अच्छा कर रहे हैं।

डेविड वार्नर और मिशेल मार्श की फॉर्म में वापसी ऑस्ट्रेलिया के लिए अच्छी खबर है क्योंकि वे अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से किसी भी प्रतिद्वंद्वी को परास्त कर सकते हैं। इसका उदाहरण पाकिस्तान के खिलाफ उनकी 259 रन की साझेदारी है। मार्श ने सलामी बल्लेबाज के रूप में सात पारियों में 108.3 की स्ट्राइक रेट से 351 रन बनाए हैं, और चाटिल ट्रेविस हेड की जगह मिले मौके को भुनाने में सफल रहे है। भरोसेमंद वार्नर बल्ले से लगातार चमक बिखेर रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया को हालांकि अपने मध्य क्रम में खासकर स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। स्मिथ ने अपनी पिछली चार पारियों में केवल एक बार 30 का आंकड़ा पार किया है तो वही लाबुशेन भी अब तक अर्धशतक नहीं बनाया है और उनका स्ट्राइक रेट महज 65 के आसपास है। हेड अपनी पूर्ण फिटनेस हासिल करने के करीब है ऐसे में दिल्ली का मैच स्मिथ और लाबुशेन के लिए खुद को साबित करने का अंतिम मौका हो सकता है। एक और विफलता से उनमें से एक को वापसी करने वाले हेड के लिए अपनी जगह गंवानी पड़ सकती है। हेड टीम को ऑफ-स्पिन गेंदबाजी का भी विकल्प भी प्रदान करते है।

ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करने वाले ग्लेन मैक्सवेल और मार्कस स्टोइनिस के बल्ले ज्यादातर मौके पर खामोश ही रहे लेकिन विकेटकीपर बल्लेबाज जोस इंगलिस दो महत्वपूर्ण अर्धशतक लगाये हैं। गेंदबाजी में पिछले मैचों में जम्पा अपनी फिरकी से विकेट निकालने में सफल रहे है तो वही हेजलवुड और स्टार्क ने भी लय हासिल कर ली है। इस मामले में कप्तान पैट कमिंस को थोड़ा सुधार करना होगा।

नीदरलैंड वनडे में कभी ऑस्ट्रेलिया को हराने में सफल नहीं रहा है। टीम को 2003 और 2007 में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। मौजूदा विश्व कप में हालांकि टीम ने साबित किया उसके पास किसी भी टीम के खिलाफ उलटफेर करने की क्षमता है। दक्षिण अफ्रीका को हराने के साथ यह टीम श्रीलंका को कड़ी टक्कर देने में सफल रही थी।

टीम के गेंदबाजों ने प्रभावित किया है लेकिन सलामी बल्लेबाज विक्रमजीत सिंह और मैक्स ओडोड का बल्ला अग तक नहीं चला है। इस मैच के दौरान सभी की निगाहें राष्ट्रीय राजधानी की बिगड़ती वायु गुणवत्ता पर भी होंगी, जो अतीत में एक अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के दौरान चिंता का विषय रही है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलियाः पैट कमिंस (कप्तान), स्टीव स्मिथ, एलेक्स कैरी, जोश इंगलिस, सीन एबॉट, एश्टन एगर, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वार्नर, एडम ज़म्पा, मिशेल स्टार्क।

नीदरलैंडः स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान), मैक्स ओडोड, बास डी लीडे, विक्रम सिंह, तेजा निदामानुरू, पॉल वैन मीकेरेन, कॉलिन एकरमैन, रोलोफ वान डेर मर्व, लोगान वैन बीक, आर्यन दत्त, रेयान क्लेन, वेस्ली बारेसी, साकिब जुल्फिकार, शारिज अहमद और साइब्रांड एंजेलब्रेक्ट

न्यूजीलैंड की टीम ने धर्मगुरु दलाई लामा से की मुलाकात

धर्मशाला (एजेंसी)। भारत के खिलाफ मैच के बाद न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम और उनके परिवारों ने धर्मगुरु दलाई लामा से मैक्लोडगंज स्थित उनके आवास पर मुलाकात की।

मुख्य बौद्ध मंदिर टीम के खिलाड़ी कप्तान टॉम लैथन के नेतृत्व में पहुंचे थे। इस दौरान दलाई लामा ने कीवी खिलाड़ियों के साथ हल्की-फुल्की बातचीत भी की।

कुछ खिलाड़ियों ने उनका आशीर्वाद मांगा। दलाई लामा के कार्यालय के पदाधिकारी ने बताया, दलाई लामा को खिलाड़ियों से मिलकर अच्छा लगा। उन्होंने कहा कि दलाई लामा ने उन्हें अपने साथ फोटो खिंचवाने की अनुमति देकर भी उन्हे खुश किया। न्यूजीलैंड टीम को 28 अक्टूबर को धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) स्टेडियम मे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना है। राज्य की राजधानी शिमला से लगभग 250 किमी दूर एचपीसीए स्टेडियम मे 22,000 लोगों की बैठने की क्षमता वाले नौ विकेट हैं।

हाल ही में फ्लू की चपेट में आने के बाद डॉक्टरों की सलाह पर दलाई लामा को नवंबर-दिसंबर में अपनी सिक्किम और कर्नाटक यात्रा रद्द करनी पड़ी थी। चीन, बौद्ध धर्म के आध्यात्मिक नेता दलाई लामा को लेकर भी नाराज रहता है।

बिशन सिंह बेदी के अंतिम संस्कार में शामिल हुए कई भारतीय क्रिकेटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कपिल देव और वीरेंद्र सहवाग सहित क्रिकेट जगत की कई हस्तियां मंगलवार को यहां महान भारतीय स्पिनर बिशन सिंह बेदी के अंतिम संस्कार के समय उपस्थित थे। बेदी का सोमवार को यहां लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। वह 77 वर्ष के थे। भारत की विश्व कप विजेता टीम के कप्तान कपिल देव, मदन लाल, सहवाग और कीर्ति आजाद सहित भारतीय क्रिकेट के कई खिलाड़ियों ने उन्हें अंतिम विदाई दी।

इस मौके पर आशीष नेहरा, वर्तमान में अफगानिस्तान की टीम के सहयोगी स्टाफ के सदस्य अजय जडेजा और बेदी से स्पिन के गुर सीखने वाले मुरली कार्तिक भी उपस्थित थे। लोधी शवदाहगृह में इस अवसर पर मौजूद एक पूर्व क्रिकेटर ने कहा, ''प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेल चुके कई खिलाड़ी भी इस अवसर पर मौजूद थे। वह महान क्रिकेटर ही नहीं बहुत अच्छे इंसान भी थे।'' अमृतसर में 1946 में जन्मे बेदी ने भारत की तरफ से 67 टेस्ट मैच में 266 विकेट लिए। वह भारतीय स्पिन चौकड़ी के सदस्य थे, जिसमें उनके अलावा इरापल्ली प्रसन्ना, भागवत चद्रशेखर और श्रीनिवास वेंकटराघवन शामिल थे।

सरबजोत ने कांस्य पदक के साथ भारत के लिए पेरिस ओलंपिक का आठवां कोटा सुनिश्चित किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। निशानेबाज सरबजोत सिंह ने मंगलवार को कोरिया के चांगवोन में एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीता और भारत के लिए पेरिस ओलंपिक कोटा स्थान पक्का कर लिया। सरबजोत ने फाइनल में 221.1 का स्कोर किया। वह चीन के झांग यिफान (स्वर्ण, 243.7) और लियू जिनयाओ (242.1) के बाद तीसरे स्थान पर रहते हुए भारत के लिए निशानेबाजी में आठवां ओलंपिक कोटा स्थान हासिल किया। यह पिस्टल स्पर्धा में देश का पहला ओलंपिक (2024) कोटा है।

भारतीय निशानेबाज ने इससे पहले 581 अंक के साथ आठवें स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। चीन ने इस स्पर्धा में पहले ही अपने दोनों कोटा स्थान सुनिश्चित कर लिये है जबकि फाइनल में पहुंचने वाले कोरिया के दो निशानेबाजों में से एक ही कोटा हासिल करने का पात्र था। सबरजोत ने शुरुआती पांच निशानों के बाद बढ़त बना ली थी लेकिन इसके बाद चीन के दोनों खिलाड़ी उन्हें पीछे छोड़ने में सफल रहे।

महिलाओं की एयर पिस्टल स्पर्धा में केवल रैंकिंग अंक के लिए खेलने वाली भारतीयों सहित पांच निशानेबाजों में से कोई भी शीर्ष आठ में जगह नहीं बना सकीं। रिदम सांगवान (577), ईशा सिंह (576), सुरभि राव (575) क्रमशः 11वें, 13वें और 15वें स्थान पर रहे जबकि रुचिता विनेरकर (571) 22वें और पलक (570) 25वें स्थान पर रहीं। पुरुष एयर पिस्टल में अन्य भारतीयों में वरुण तोमर (578) और कुणाल राणा (577) क्रमशः 16वें और 17वें स्थान पर रहे जबकि शिवा (576) 20वें और सौरभ चौधरी (569) 35वें स्थान पर रहे।

एशियाई पैरा खेल : प्राची यादव ने पैरा कैनो में जीता स्वर्ण पदक

हांगझोउ । चीन में चल रहे एशियाई पैरा खेलों में मंगलवार को भारत की प्राची यादव ने कैनो महिला केएल 2 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है । एथलीट प्राची यादव ने पैरा कैनो महिला केएल2 स्पर्धा में 54.962 समय के साथ भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता। प्राची का एशियन पैरा खेल 2022 में यह दूसरा पदक है । इससे पहले सोमवार को प्राची यादव ने पैरा डोंगी चालन महिला वीएल2 स्पर्धा के फाइनल में रजत पदक जीता था ।

इंग्लिश खिलाड़ी जो रूट का खुलासा, कहा- 'मुंबई में खेलने के दौरान सांस लेने में हुई परेशानी'

मुंबई । वर्ल्ड कप 2023 के बीच इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ने बड़ा खुलासा किया है । दरअसल, उन्होंने कहा कि उनके साथियों को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुंबई में खेले गए अपने आखिरी वर्ल्ड कप 2023 मैच के दौरान ठीक से सांस लेने में कठिनाई हुई । इंग्लैंड को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 229 रन से बड़ी हार झेलनी पड़ी ।

बता दें कि, वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के बीच मुकाबले में अफ्रीकी टीम ने सात विकेट के नुकसान पर 399 रनों का स्कोर खड़ा किया, जबकि इंग्लैंड पीछा करते हुए 229 रन ही बना सकी । मुंबई में उमस भरे, धुंध भरे हालात के बीच तापमान 35 डिग्री सेंटीग्रेड था । हवा की गुणवत्ता भी बेहद खराब थी, दोनों पक्षों के खिलाड़ी हांफने लगे थे, साउथ अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन अपनी 67 गेंदों में 109 रनों की पारी के बाद फील्डिंग करने में असमर्थ रहे और इंग्लैंड के आदिल राशिद पहले से ही बीमारी से प्रभावित थे ।

जो रूट ने बेंगलुरु में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि, मैंने पहले कभी ऐसा नहीं देखा है । मैं स्पष्ट रूप से ज्यादा गर्म परिस्थितियों और संभवत ज्यादा आर्द्र परिस्थितियों में खेला हूं । लेकिन ऐसा महसूस हुआ कि आप अपनी सांस नहीं ले पा रहे हैं । ये ऐसा था मानो आप हवा खा रहे हों ये अजीब था ।

रूट ने आगे कहा कि, आप हेनरिक क्लासेन के साथ देख सकते हैं । आप देख सकते हैं कि, मैदान पर वापस न आ पाने के कारण उन्हें कितना नुकसान हुआ । मेरा मतलब है कि आप इससे दूर नहीं जा सकते । आप मैदान पर जाते हैं और आपकी शर्ट भीगी हुई होती है और आपकी सांसें आपकी अपेक्षी से कहीं ज्यादा भारी होती हैं और आप जानते हैं कि आपने अपनी फिटनेस और अन्य चीजें पूरी कर ली हैं । ऐसा नहीं है कि आपमें कमी है तो आप इसके बारे में बहुत जागरुक हैं ।

मध्यक्रम में बल्लेबाजी को दुरुस्त करने की कोशिश करेंगे: मार्श

धर्मशाला (एजेंसी)। शानदार लय में चल रहे ऑस्ट्रेलिया के हरफनमौला खिलाड़ी मिशेल मार्श ने मंगलवार को कहा कि उनकी टीम विश्व कप में नीदरलैंड के खिलाफ आगामी मैच में आखिरी ओवरों में बल्लेबाजी की खामियों को दूर करने की कोशिश करेगी।

पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में डेविड वार्नर (163) और मार्श (121) ने शानदार शतक जमाते हुए पहले विकेट के लिए 259 रन की साझेदारी की थी। टीम एक समय आसानी से 400 रन से अधिक के स्कोर की ओर बढ़ती दिख रही थी लेकिन आखिरी ओवरों में उनकी बल्लेबाजी लड़खड़ा गयी। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने नौ विकेट पर 367 रन बनाये थे।

मार्श ने बुधवार को नीदरलैंड के खिलाफ होने वाले मैच से पहले कहा, ''मुझे लगता है कि व्यक्तिगत रूप से हर किसी ने इस पर ध्यान दिया होगा। ईमानदारी से कहूं तो मुझे लगा कि पाकिस्तान ने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की और हमें इस बारे में सोचने पर मजबूर किया कि आखिरी ओवरों में पारी को कैसे खत्म करना है।'' उन्होंने कहा, '' वे बहुत अच्छी टीम हैं लेकिन हम उन पर हावी होने में सफल रहे। उन्होंने हालांकि जोरदार वापसी की। आप पाकिस्तान जैसी टीमों से यही उम्मीद करते हैं।'' मार्श ने कहा, '' इसलिए, हम इसका समाधान करेंगे। हम अंतिम 10 ओवरों में शानदार प्रदर्शन कर अन्य टीमों पर कुछ दबाव बनाने की कोशिश करेंगे।'' ट्रेविस हेड चोट से उबर कर टीम से शामिल हो गये हैं। उन्होंने सोमवार और मंगलवार को नेट सत्र में समय भी बिताया। मार्श से जब उनकी अंतिम एकादश में वापसी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''हां, मुझे लगता है कि आज रात तक इस पर फैसला हो जायेगा। वह अच्छे दिख रहे है। उन्होंने कल बल्लेबाजी अभ्यास किया। मुझे यकीन है अगर वह फिट है तो वह टीम में चयन के लिए उपलब्ध होंगे।'' मार्श ने कहा कि टीम में हेड की वापसी पर उन्हें तीसरे स्थान पर बल्लेबाजी करने में कोई गुरेज नहीं है। उन्होंने कहा, ''मुझे इसकी जानकारी नहीं है कि वह टीम किसकी जगह लेंगे। मेरा मानना है कि अगर वह फिट हैं तो वह खेलेंगे। यह निर्णय आज रात किया जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''मैं तीन नंबर पर वापस जाकर बहुत खुश रहूंगा। मैंने पिछले कुछ वर्षों में उस स्थान पर काफी बल्लेबाजी की है। मैं तीसरे क्रम पर वास्तव में सहज महसूस करता हूं। अगर हेडी (हेड) वापस आता है, तो मुझे लगता है कि यह टीम के लिए सबसे अच्छा होगा।

राष्ट्रीय खेल (बैडमिंटन) : युवा एम. तरुण ने किया बड़ा उलटफेर, पूर्व चैंपियन सौरभ वर्मा को हराकर जीता खिताब

पणजी । युवा बैडमिंटन स्टार एम. तरुण ने गोवा में जारी 37वें राष्ट्रीय खेलों में बैडमिंटन में एक बड़ा उलटफेर कर दिया है । तरुण ने मंगलवार यहां श्यामा प्रसाद मुखर्जी इंडोर स्टेडियम में खेले गए पुरुष एकल वर्ग के फाइनल मुकाबले में पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन सौरभ वर्मा को हराकर खिताब जीत लिया । बीडब्ल्यूएफ एकल रैंकिंग में 269वें नंबर पर काबिज तरुण ने एक घंटे 10 मिनट तक चले मुकाबले में सौरभ को शिकस्त दे दी । चौथी सीड तरुण ने तीन गेमों तक चले मुकाबले में सौरभ को 21-15, 16-21, 21-15 से मात देकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल कर लिया ।। नेशनल चैंपियनशिप में तीन बार पुरुष एकल वर्ग में चैंपियन रह चुके भारतीय शटलर सौरभ मुकाबले के दौरान पहला गेम ही हार बैठे । इसके बाद हालांकि उन्होंने दूसरे गेम वापसी की और मुकाबले को बराबरी पर ला दिया । लेकिन तरुण ने अपना संयम कायम रखते हुए तीसरे गेम को जीतकर मैच और खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ ही तरुण ने अब सौरभ के खिलाफ अपना करियर रिकॉर्ड 2-0 का कर लिया है । तरुण ने इससे पहले, सेमीफाइनल में मौजूदा चैंपियन और दूसरी सीड एम मिथुन को और क्वार्टर फाइनल में अलप मिश्रा को हराकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया । मौजूदा समय में वर्ल्ड नंबर-65 सौरभ वर्मा तीसरी बार राष्ट्रीय खेलों में भाग ले रहे थे । इससे पहले वह 2011 और 2015 में इसमें पदक जीत चुके थे । 2015 में उन्होंने पुरुष व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था । इसके अलावा वह 2018 में रूसी और डच ओपन जबकि 2019 में हैदराबाद ओपन और वियतनाम ओपन में चैंपियन रहे थे ।

पाकिस्तान पर जीत से एक पीढ़ी को क्रिकेट से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगी: ट्रॉट

चेन्नई (एजेंसी)। अफगानिस्तान के कोच जोनाथन ट्रॉट का मानना है कि विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ ऐतिहासिक जीत अफगानिस्तान की अगली पीढ़ी को क्रिकेट खेलने के लिए प्रेरित करेगी। गत चैंपियन इंग्लैंड को हराने के बाद अफगानिस्तान की टीम एकदिवसीय मैचों में पहली बार पाकिस्तान के खिलाफ यादगार जीत दर्ज करने में सफल रही। ट्रॉट ने सोमवार को मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''इंग्लैंड को हराने के बाद मुझे लगता है कि यह एक बार फिर देश के लिए टीम अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है।' उन्होंने कहा, 'यह खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को क्रिकेट का बल्ला और गेंद उठाने, अपनी क्षेत्ररक्षक और अपनी फिटनेस पर काम करने के लिए प्रेरित करेगा।' अफगानिस्तान हाल ही में कई बार पाकिस्तान को हराने के करीब पहुंचा था लेकिन इस मैच से पहले टीम सफलता से दूर रह गयी थी।' ट्रॉट ने कहा, ''उनके खिलाड़ियों में इस मुकाबले को लेकर जुनून और प्रतिद्वंद्विता की कमी नहीं थी। मुझे खुशी है कि आज हम फिर सफलता हासिल कर सके। अब हमारे पास वह आत्मविश्वास होगा कि हम आगे बढ़ सकते हैं और अपने खेल पर भरोसा कर सकते हैं। हम आगे आने वाले मैच के लिए बहुत आश्वस्त हो सकते हैं।' इंग्लैंड के 42 साल के इस पूर्व खिलाड़ी ने हालांकि टीम की पाकिस्तान और इंग्लैंड पर जीत को उलटफेर मानने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, ''इमानदारी से कहूं तो यह बात मुझे निराश करती है।। मुझे लगता है कि यह खिलाड़ियों के लिए अपमानजनक है। आप दूसरी टीम के मुकाबले हमें कमजोर कह सकते है लेकिन इस तरह की जीत कोई उलटफेर नहीं है।'

एशियाई पैरा गेम्स : एकता भयान ने महिलाओं की क्लब थ्रो एफ 32/51 स्पर्धा में जीता कांस्य

हांगझू । यहां चल रहे चौथे एशियाई पैरा खेलों के दूसरे दिन भी भारत के लिए पदकों की बारिश जारी है, मंगलवार को एकता भयान ने महिला क्लब थ्रो - एफ32/51 स्पर्धा में कांस्य पदक जीता । इवेंट से पहले, एकता ने एशियाई पैरा गेम्स रिकॉर्ड धारक के रूप में प्रवेश किया था और ईरान की परस्तू हबीबी ने उनका खिताब छीन लिया । अपने पहले प्रयास में, परस्तू ने 22.88 मीटर के प्रयास के साथ रिकॉर्ड तोड़ दिया । एकता ने 21.66 मीटर के शानदार थ्रो के साथ जवाब दिया, लेकिन फिर भी वह नए रिकॉर्ड से पीछे रह गई और उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा, परस्तू ने स्वर्ण पदक जीता । यूएई के थेकरा अहमद सईद ने रजत पदक जीता । पुरुषों की 400 मीटर-टी64 फ़ाइनल में, अजय कुमार ने 54.85 सेकेंड का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय देते हुए रजत पदक जीता । सऊदी अरब के नूर मोहम्मद ने 52.81 सेकेंड के समय के साथ एशियाई पैरा रिकॉर्ड तोड़ दिया । थाईलैंड के जाफ़ा सीप्ला ने 55.09 सेकेंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता । इस बीच, कैनोइंग में गजेंद्र सिंह ने पुरुषों के वीएल2 फाइनल में 1ः01.084 सेकेंड का समय लेकर कांस्य पदक जीता । ईरान के इस्लाम जाहेदी ने 55.749 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता । जबकि थाईलैंड की सैंटी वांटावी ने 1ः01.084 सेकेंड के समय के साथ रजत पदक जीता । भारत ने अब तक पैरा एशियाई खेलों में 24 पदक जीत लिये हैं, जिनमें 8 स्वर्ण, 8 रजत और 8 कांस्य पदक शामिल है । भारत पदक तालिका में चौथे स्थान पर है ।

अफगानिस्तान के खिलाफ पाकिस्तान को मिली हार, अब्दुल रज्जाक ने बाबर को ठहराया दोषी

मुंबई (एजेंसी)। आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 में पाकिस्तान टीम का अभी तक जो प्रदर्शन रहा है, उसके बाद कप्तान बाबर आजम पर सवाल उठ रहे है। पाकिस्तान ने टूर्नामेंट में अभी तक कुल पांच मैच में दो ही जीते है, जबकि तीन मैचों में पाकिस्तान को हार का सामना करना पड़ा है। पाकिस्तान ने नीदरलैंड और श्रीलंका के खिलाफ जीत दर्ज कर टूर्नामेंट का शानदार आगाज किया था, लेकिन फिर बाबर एंड कंपनी को भारत, ऑस्ट्रेलिया और अब अफगानिस्तान के खिलाफ हार का स्वाद चखना पड़ा है। आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 में पाकिस्तान बनाम अफगानिस्तान मैच में ऐसा माना जा रहा था कि पिच से स्पिनरों को काफी मदद मिलेगी, लेकिन ऐसा कुछ हुआ नहीं और पिच बल्लेबाजों की मददगार ही नजर आई। पाकिस्तान ने पहले बैटिंग कर 50 ओवर में सात विकेट पर 282 रन बनाए, जिसमें कप्तान बाबर आजम ने 74 रन भी शामिल थे। पाकिस्तान की ओर से सबसे ज्यादा रन बाबर के बैट से ही निकले थे, लेकिन इसके बावजूद पूर्व ऑलराउंडर अब्दुल रज्जाक ने बाबर को ही हार का दोषी ठहराया है। अब्दुल रज्जाक ने कहा, आजम ने 92 गेंदों पर 74 रनों की पारी खेली, जिसका खामियाजा हमें अफगानिस्तान के खिलाफ भुगतना पड़ा। आप दुनिया के नंबर-1 बल्लेबाज कैसे हो सकते हैं अगर आप एक सीधा छक्का नहीं लगा सकते हैं? अगर बाबर जल्दी आउट हो गया होता, तब शादाब खान और इफ्तिखार अहमद को और ज्यादा गेंदें खेलने का मौका मिला होता और पाकिस्तान ने और ज्यादा रन बनाए होते।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के सामने जीत के लिए 283 रनों का टारगेट रखा था और अफगानिस्तान ने 49 ओवर में महज दो विकेट गंवाकर ही 286 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। अफगानिस्तान ने इस वर्ल्ड कप में इंग्लैंड को भी धूल चटाई है। इंग्लैंड डिफेंडिंग चैंपियन है और फिलहाल आईसीसी वर्ल्ड कप पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे है। वर्ल्ड कप पॉइंट्स टेबल में सबसे ऊपर फिलहाल भारत है। पाकिस्तान पांचवें स्थान पर बना हुआ है, जबकि छठे नंबर पर अफगानिस्तान आ गया है।

कृषि वैज्ञानिक बनकर संवारें भविष्य

भारत विश्व के प्रमुख कृषि प्रधान देशों में से एक है। देश के आर्थिक विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। कृषि विज्ञान-आधारित, उच्च-प्रौद्योगिकीय क्षेत्र है तथा इससे संबंधित रोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं। ये हैं - पशु और पादप शोधकर्ता, खाद्य वैज्ञानिक, वस्तु ब्रोकर, पोषणविद, कृषि पत्रकार, बैंकर्स, बाजार विश्लेषक, बिी व्यावसायिक, खाद्य संसाधक, वन प्रबंधक, वन्यजीव विशेषज्ञ आदि। कृषि अनुसंधान और शिक्षा कृषि विश्वविद्यालयों, संस्थानों तथा कृषि शिक्षा और पशुचिकित्सा विज्ञान महाविद्यालयों द्वारा संचालित की जाती है।

कृषि विज्ञान एक व्यापक बहुविषयक क्षेत्र है, जिसमें प्राकृतिक, आर्थिक और सामाजिक विज्ञान हिस्से हैं, जिन्हें कृषि के व्यवहार तथा इसे समझने के लिए प्रयोग किया जाता है। इस क्षेत्र में निम्नलिखित पर अनुसंधान एवं विकास कार्य किए जाते हैं- उत्पादन तकनीकें (जैसे कि, सिंचाई प्रबंधन, अनुशंसित नाइट्रोजन इनपुट्स) गुणवत्ता और मात्रा की दृष्टि से कृषि उत्पादन में सुधार (जैसे कि सूखा झेलने वाली फसलों तथा पशुओं का चयन, नए कीटनाशकों का विकास, खेती-संवेदन प्रौद्योगिकियां, फसल वृद्धि के सिमुलेशन मॉडल, इन-वाइट्रो सैल कल्चर तकनीकें) प्राथमिक उत्पादों का अंतिम-उपभोक्ता उत्पादों में परिवर्तन (जैसे कि डेरी उत्पादों का उत्पादन, संरक्षण और पैकेजिंग) विपरीत पर्यावरणीय प्रभावों की रोकथाम तथा सुधार (जैसे कि मृदा निम्नीकरण, कचड़ा प्रबंधन, जैव-पुनः उपचार) सैद्धान्तिक उत्पादन पारिस्थितिकी, फसल उत्पादन मॉडलिंग से संबंधित परंपरागत कृषि प्रणालियां, कई बार इसे जीविका कृषि भी कहा जाता है, जो विश्व के सर्वाधिक गरीब लोगों का भरण-पोषण करती है। ये परंपरागत पद्धतियां काफी रुचिकर हैं क्योंकि कई बार ये औद्योगिक कृषि की बजाए यादा प्राकृतिक पारिस्थितिकी व्यवस्था के साथ समाकलन का स्तर कायम रखती हैं जो कि कुछ आधुनिक कृषि प्रणालियों की अपेक्षा यादा दीर्घकालिक होती हैं।

कृषि वैज्ञानिकों के विशेषज्ञता के क्षेत्र के अनुरूप उनके द्वारा किए जाने वाले कार्यों की प्रकृति में भिन्नता रहती है।

खाद्य विज्ञान - खाद्य वैज्ञानिक या प्रौद्योगिकीविद सामान्यतः खाद्य संसाधन उद्योग, विश्वविद्यालयों या संघीय सरकार में नियुक्त किए जाते हैं। वे स्वास्थ्यपरक, सुरक्षित

और सुविधाजनक खाद्य उत्पादों की उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करने में मदद करते हैं।

पादप विज्ञान - पादप विज्ञान में कृषि विज्ञान, फसल विज्ञान, कीट-विज्ञान तथा पादप प्रजनन को शामिल किया गया है।

मृदा विज्ञान- इसके अंतर्गत काम करने वाले व्यक्ति पौधें या फसल विकास से जुड़ी मिट्टी के रासायनिक, भौतिकीय, जैविकीय तथा खनिजकीय संयोजन का अध्ययन करते हैं। वे उर्वरकों, जुताई के तरीकों और फसल चम को लेकर विभिन्न प्रकार की मिट्टी के प्रत्युत्तरों का अध्ययन करते हैं।

पशुविज्ञान- पशु वैज्ञानिकों का कार्य है मांस, कुक्कुट, अण्डों तथा दूध् के उत्पादन तथा प्रोसेसिंग के बेहतर और अधिक कारगर तरीकों का विकास करना। डेयरी वैज्ञानिक, पशु प्रजनक तथा अन्य संबद्व वैज्ञानिक घरेलू फार्म पशुओं के आनुवंशिकी, पोषण, प्रजनन, विकास तथा उत्पादन से जुड़े अध्ययन करते हैं।

प्रशिक्षण, अन्य योग्यताएं -

कृषि वैज्ञानिकों के प्रशिक्षण की अपेक्षाएं उनके विशेषज्ञता क्षेत्र तथा किए जाने वाले कार्यों की प्रकृति पर निर्भर करती है। अनुप्रयुक्त अनुसंधान के लिए या मौलिक अनुसंधान में सहायता के लिए कृषि विज्ञानों में बैचलर डिग्री पर्याप्त होती है लेकिन मौलिक अनुसंधान के वास्ते मास्टर्स या डॉक्टरल डिग्री अपेक्षित होती है। कॉलेज शिक्षण और प्रशासनिक अनुसंधान पदों में प्रगति के लिए सामान्यतः कृषि विज्ञान में पी-एच.डी. डिग्री अपेक्षित होती है।

कृषि विज्ञान में बी.ई. करने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए मौलिक पात्रता मानदंड भौतिकी, रसायन शास्त्र, गणित और वरीयतन जीव-विज्ञान विषयों के साथ 10+2 है। एक सुयोग्य कृषि इंजीनियर बनने के लिए किसी के भी पास कृषि इंजीनियरी में स्नातक डिग्री (बी.ई.बी.टेक) या कम से कम डिप्लोमा होना चाहिए। अनुसंधान के क्षेत्रों में कोई भी व्यक्ति कृषि अनुसंधान वैज्ञानिक (एआरएस) बन सकता है। इन पदों पर भर्ती संयुक्त प्रवेश परीक्षा के जरिए की जाती है। एआरएस नेट पी-एच.डी. उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवारों को लेक्चरशिप तथा स्कॉलरशिप प्रदान करने हेतु आयोजित की जाती है।

दूसरा विकल्प कृषि विकास अधिकारी (एडीओ) बनने का है, जो पद खण्ड विकास अधिकारी के समकक्ष होता है। इन पदों पर भर्ती प्रवेश परीक्षा के आधार पर की जाती है।

तीसरे आपके पास निजी क्षेत्र के संगठनों में अनुसंधान वैज्ञानिक के पद पर आवेदन करने का विकल्प होता है। वहां पर आपकी सेवाएं निजी प्रयोगशालाओं में भी इस्तेमाल की जा सकती हैं। इस उद्देश्य के लिए अपेक्षित योग्यता डॉक्टरल स्तर की अर्थात पी-एच.डी. है।

बी.एससी. करने के उपरांत आप बैंकों, वित्त और बीमा कम्पनियों की नौकरियों के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और राष्ट्रीयकृत बैंक कृषि तथा संबद्व क्षेत्रों में स्नातकोत्तरों के लिए फील्ड अधिकारियों, ग्रामीण विकास अधिकारियों तथा कृषि और परिवीक्षा अधिकारियों के पदों पर नियुक्ति हेतु विज्ञापन जारी करते हैं। इनके अलावा फार्म प्रबंधन,भूमि मूल्यांकन, ग्रेडिंग, पैकेजिंग तथा लेबलिंग के क्षेत्रों में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध् हैं। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र, दोनों में भी विपणन और बिी, परिवहन, फार्म उपयोगिता, भण्डारण आदि के क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध् कराया जाता है।

कृषि विज्ञान में पाठ्यक्रम संचालित करने वाले संस्थान

- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय - कृषि केंद्र, अलीगढ़-202002 (उ.प्र.)
- चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय (उ.प्र.)
- डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ कृषि इंजीनियरी संकाय, डाकघर कृषि नगर, अकोला-444104
- गुजरात कृषि विश्वविद्यालय कृषि संकाय, सरदार कृषि नगर-385506, जिला बनासकांठा (गुजरात)
- इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय कृषक नगर, रायपुर-492006 (छत्तीसगढ़)
- जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय कृषि इंजीनियरी संकाय, कृषि नगर, अगरतला, जबलपुर-482004
- केरल कृषि विश्वविद्यालय कृषि संकाय, वेल्लानिकाड़ा, त्रिशूर-680654 (केरल)
- उड़ीसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व-विद्यालय कृषि संकाय, भुवनेश्वर, खुर्दा-751003 (उड़ीसा)।

बिजली की निगरानी का कारोबार

जब बादल गरजने लगते हैं तो स्टीफन थर्न की नजरें तुरंत अपने कम्प्यूटर पर गड़ जाती हैं। यह इलैक्ट्रीकल इंजीनियर तुरंत जानना चाहते हैं कि कहीं आसमानी बिजली गिराने वाला तूफान तो आने वाला नहीं है। उनकी तकनीक ने उन्हें कभी निराश नहीं किया है। वह बहुराष्ट्रीय इलैक्ट्रॉनिक्स कम्पनी सीमन्स की 'द लाइटनिंग सर्विस' नामक जर्मन फर्म के प्रमुख हैं जो जर्मनी में प्रतिवर्ष औसतन 10 लाख बार आसमानी बिजली के कौंधने को दर्ज करती है। फर्म का जर्मन नाम 'ब्लित्जडेन्स्ट' है। जर्मन भाषा में 'ब्लित्ज' का अर्थ बिजली कौंधना होता है। जर्मनी भर में स्थापित 16 निगरानी केंद्र देश में बिजली कौंधने की सभी घटनाओं को दर्ज करने के लिए काफी हैं। अपनी सहयोगी कम्पनियों के साथ मिल कर सीमन्स यूरोप में ऐसे कुल 150 निगरानी केंद्र चला रही है। इन आंकड़ों की जरूरत इलैक्ट्रिसिटी कम्पनियों, हवाई अड्डों, बीमा कम्पनियों एवं सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजकों को पड़ती है जो इस सूचना के लिए फर्म को फीस देते हैं। आसमानी बिजली को दर्ज करना सरल है। इसकी हर कौंध के साथ इलैक्ट्रॉमैग्नेटिक तरंगें पैदा होकर तेज रफ्तार से सभी दिशाओं में फैल जाती हैं। आसमानी बिजली की निगरानी करने वाले केंद्र इन तरंगों को 600 किलोमीटर दूर से भी पहचान सकते हैं। स्टीफन के अनुसार इन्हें और भी दूरी से दर्ज किया जा सकता है। वह पुर्तगाल के आकाश में चमकने वाली बिजली की कौंध को जर्मनी के कार्लरुहे निगरानी केंद्र से दर्ज कर चुके हैं। जब आसमानी बिजली को कम से कम दो केंद्रों में दर्ज किया जाता है तो उनके समय तथा दूरी का आकलन करके स्थान का पता लगा आसमानी बिजली के कौंधने के स्थान का पता उतनी ही सटीकता से लगाया जा सकता है। फिलहाल फर्म की सटीकता 200 से 700 मीटर तक है। बिजली कौंधने के स्थान में सबसे अधिक रुचि ओवरहैड पावर लाइन ऑप्रेटर्स को होती है। उनकी कोई तार टूटते ही वह जानना चाहते हैं कि इसकी वजह कहीं आसमानी बिजली का गिरना या पेड़ का गिरना तो नहीं है। यदि इलाके में बिजली गिरने की पुष्टि हो जाए तो तारों को जल्द से जल्द जोड़ा जा सकता है जबकि पेड़ गिरने की सूरत में उसे ठीक करने में अधिक समय लगता है। बीमा कम्पनियां बिजली गिरने से होने वाले नुक्सान के दावों की पड़ताल के लिए इस सूचना की मदद लेते हैं। अक्सर आसमान से गिरने वाली बिजली की वजह से सीधा नुक्सान नहीं होता है बल्कि इसकी वजह से वोल्टेज में होने वाली अत्यधिक वृद्धि के कारण होता है। इससे अढ़ाई किलोमीटर के दायरे में विद्युत उपकरणों में शॉर्ट-सर्किट हो सकता है।

जर्मनी में हर साल बिजली गिरने से होने वाले नुक्सान के 3 से 5 लाख दावे किए जाते हैं। दावों की राशि करीब 25 अरब रुपए होती है। बीमा कम्पनियां 'द लाइटनिंग सर्विस' से हासिल बिजली गिरने की घटनाओं के आंकड़ों की जांच करके तुरंत पता लगा लेती हैं कि दावा असली है या फर्जी।

वैसे फर्म केवल आसमानी बिजली की कौंध को दर्ज ही नहीं करती है, उसके आंकड़े चेतावनी जारी करने के काम भी आते हैं। कम्पनी के अनेक ग्राहक हैं जिन्हें समय रहते इलाके में बिजली चमकने या तूफान आने की पूर्व सूचना मिलती है और वे अपने बिजली के उपकरणों को

महिलाएं विदेशों में जॉब के साथ-साथ बेहतर सैलरी के लिए अपनाएं यह कॅरियर

डॉक्टरों को दूसरा भगवान कहा जाता है क्योंकि मरीजों को स्वस्थ करने की जिम्मेदारी इन्हीं पर होती है लेकिन इस महत्वपूर्ण कार्य में नर्स की भूमिका को भी नकारा नहीं जा सकता है। देखा जाए तो मरीजों की देखभाल की पूरी जिम्मेदारी इनके ऊपर ही होती है। तभी तो इन्हें सभी प्यार से सिस्टर भी कहते हैं। भारतीय सिस्टर विदेश का भी रुख करने लगी हैं क्योंकि विदेशों में इन्हें जॉब के साथ-साथ बेहतर सैलरी भी मिलने लगी है।

जॉब ऑप्शन

डी.पी.एम.आई. की प्रिंसीपल डॉक्टर अरुणा सिंह के मुताबिक आप 10वीं और 12वीं करने के बाद भी नर्सिंग के कोर्स में दाखिला ले सकती हैं। इस कोर्स की सफलतापूर्वक समाप्ति के बाद आपके लिए जॉब के कई रास्ते खुल जाते हैं। दरअसल, इस क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए आज जॉब की कोई कमी नहीं है। आप हॉस्पिटल, नर्सिंग होम्स, क्लीनिक और हैल्थ डिपार्टमैंट, ओल्ड एज होम्स, मिलिट्री हैल्थ सर्विस, स्कूल्स, रेलवे, पब्लिक सैक्टर, मैडीकल डिपार्टमैंट आदि में कार्य कर सकते हैं।

विदेश में अवसर

यदि आप इस क्षेत्र से जुड़ी हैं तो आज यूरोपियन देशों, ऑस्ट्रेलिया, अमरीका और खाड़ी देशों में जॉब की असीम संभावनाएं मौजूद हैं। साथ ही इन देशों में आकर्षक सैलरी पैकेज के साथ ओवरटाइम भी मिलता है। यही वजह है कि भारतीय नर्स विदेश का रुख करने लगी हैं लेकिन यूरोप और अमरीका जाने के लिए सी.जी.एफ.एन.एस. (कमीशन ऑफ ग्रैजुएट ऑफ फॉरेन नर्सिंग स्कूल), टी.ओ.ई. एफ.एल. (टैस्ट ऑफ इंग्लिश एज ए फॉरेन लैंग्वेज), टी.डब्ल्यू.ई. (टैस्ट ऑफ रिटन इंग्लिश) और टी.एस.ई. (टैस्ट ऑफ स्पोकन इंगलिश) के एग्जाम के दौर से होकर जुडऩा पड़ सकता है।

सरकारी प्रयास

नर्सिंग एजुकेशन में व्यापक सुधार के लिए सरकार द्वारा करोड़ों रुपए खर्च करने की योजना है। इसके लिए हैल्थ मिनिस्ट्री ने 230 जिलों की पहचान की है जहां ऑग्जिलियर नर्स मिडवाइव्स (ए.एन.एम.) और ग्रैजुएट नर्स मिडवाइव्स (जी.एन.एम.) इंस्टीच्यूट खोला जाएगा। इसके अलावा, चार रीजनल इंस्टीच्यूट में नर्सिंग की शिक्षा को और बेहतर करने का प्रयास किया जा रहा है। सच तो यह है कि आज नर्स हैल्थ केयर सिस्टम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

पारिश्रमिक

नर्स की सैलरी उनकी योग्यता और अनुभव पर भी निर्भर करती है। सरकारी अस्पतालों में सैलरी 8 हजार से 15 हजार रुपए के करीब हो सकती है। लेकिन प्राइवेट और मिलिट्री नर्सिंग में कार्य करने वालों की सैलरी ज्यादा होती है।

रंगों की दुनिया में उभरते रोजगार

रंगों की दुनिया चमक-दमक से भरी होती है। इस बहुरंगी दुनिया में रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हैं। दुकान, मकान, घर और कल-कारखानों से लेकर हर छोटी-बड़ी जरूरतों के लिए विभिन्न प्रकार के रंगों का इस्तेमाल होता है। रंगों के क्षेत्र में पेंट इंजीनियरिंग एक आकर्षक और बेहद फायदेमंद कॅरियर है। मोटर वाहन उद्योग, विद्युत, रसायन और हल्के इंजीनियरिंग उद्योगों में भी रंगों का उपयोग बड़े पैमाने पर होता है। इस प्रकार पेंट साथ पेंट तकनीकी का भी काफी विकास हुआ है। जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के मौके बढ़े हैं। साथ ही हाल के वर्षों में पेंट की खपत भी बढ़ी है।

पेंट निर्माण के क्षेत्र में न केवल देशी कंपनियों में बढ़ोत्तरी हुई है बल्कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ-साथ कच्चा माल तैयार करने वाले उद्योगों में भी रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। लेकिन दूसरी इंजीनियरिंग शाखाओं की अपेक्षा पेंट इंजीनियरिंग की है। यह क्षेत्र उन युवाओं के लिए अत्यधिक उपयोगी है जो इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश नहीं मिल पाने पर निराश हो जाते हैं। इस क्षेत्र में प्रशिक्षण के लिए निम्न संस्थानों से संपर्क कर सकते हैं-

- विश्वविद्यालय डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, नार्थ महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगांव- 425 001।
- विश्वविद्यालय डिपार्टमेंट ऑफ विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र।
- जगन्नाथ रथी वोकेशनल गाइडेंस एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट फरर्गसन कालेज कैम्पस के सामने बीएमसीसी, पुणे।
- इंडस्ट्रीयल रिसर्च लैबोरेटरी, कैनाल साउथ रोड, कोलकाता।
- विश्वविद्यालय डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, नाथलाल पारीख मार्ग, माटुंगा, मुंबई।
- रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ

नाव में आग लगने से करीब 16 लोगों की मौत

लंदन ।कांगो नदी में एक नाव में आग लगने से करीब 16 लोगों की मौत हो गई। प्रांतीय डिप्टी पपी एपियाना ने बताया कि नौका ईंधन लेकर राजधानी किन्शासा के पूर्वी हिस्से से मबांडाका शहर की ओर जा रही थी ।उन्होंने बताया कि हादसे में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई।हादसे के बाद कम से कम 11 लोगों को बचाया गया और फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि कुछ और लोग लापता हैं या नहीं। इससे दो दिन पहले कांगो नदी में एक नाव पलट गई थी, जिससे उसमें सवार कम से कम 40 लोग मारे गए थे।

संयुक्त राष्ट्र को चिंता, गाजा में सीमित मात्रा में पहुंच रही मानवीय आपूर्ति

गाजा ।संयुक्त राष्ट्र के मानवतावादियों के अनुसार, 24 अक्टूबर को मिस्र से गाजा में मानवीय आपूर्ति ले जा रहे 20 ट्रक दाखिल हुए, जो पर्याप्त नहीं हैं। रिपोर्ट के अनुसार, मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने कहा कि 20 ट्रक सोमवार को राफा सीमा पार कर गाजा पहुंचे और उसमें से आधे पानी, भोजन और दवा ले जा रहे थे।21 और 22 अक्टूबर को 34 ट्रक जीवन रक्षक आपूर्ति के साथ गाजा में प्रवेश किए। ओसीएचए ने कहा, यह नवीनतम संकट से पहले गाजा में प्रवेश करने वाली वस्तुओं की दैनिक औसत मात्रा के 4 प्रतिशत से अधिक के बराबर नहीं है।21 अक्टूबर को 20 ट्रकों का एक काफिला राफा के रास्ते गाजा में दाखिल हुआ, जो 7 अक्टूबर को हमास-इजराइल संघर्ष शुरू होने के बाद दो सप्ताह में पहली बार था। गाजा में प्रवेश करने वाली सहायता डिलीवरी में ईंधन शामिल नहीं है। ओसीएचए ने कहा, संयुक्त राष्ट्र राहत कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए), जो गाजा में अब तक की सबसे बड़ी मानवीय सहायता प्रदाता है, अगले दो दिनों के अंदर अपने ईंधन भंडार को समाप्त कर देगी।इसमें कहा गया है, ईंधन नहीं होने का मतलब पानी का अलवणीकरण नहीं होना है। ईंधन नहीं होने का मतलब यह है कि मानवतावादी साझेदारों को अपने पूरे सहायता वितरण अभियान को जल परिवहन पर केंद्रित करना होगा।गाजा में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों की संख्या लगभग 1.4 मिलियन होने का अनुमान है। मानवतावादियों ने भीड़भाड़ के बारे में चेतावनी दी है, क्योंकि प्रति आश्रय लोगों की औसत संख्या क्षमता से 2.5 गुना से अधिक हो गई है।बिजली, दवा, उपकरण और विशेषज्ञ कर्मियों की कमी को देखकर अस्पतालों में स्थिति गंभीर बनी हुई है।गाजा शहर का शिफा अस्पताल, जो इस पट्टी का सबसे बड़ा अस्पताल है, वर्तमान में लगभग 5,000 मरीजों का इलाज कर रहा है, जो कि इसकी 700 मरीजों की क्षमता से काफी अधिक है।विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा गया है कि गाजा शहर और उत्तरी गाजा में सात अस्पतालों को नुकसान, बिजली और आपूर्ति की कमी और निकासी आदेशों के कारण बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ा। ओसीएचए ने कहा, लगातार 14वें दिन गाजा में पूरी तरह बिजली गुल है।

श्रीलंकाई कैबिनेट ने इन देशों के नागरिकों के वीजा-मुक्त प्रवेश को मंजूरी दी

कोलंबो ।श्रीलंकाई कैबिनेट ने भारत और छह अन्य देशों के नागरिकों के लिए वीजा-मुक्त प्रवेश की पेशकश के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, पर्यटन मंत्री हरिन फर्नांडो ने इसकी जानकारी दी।

रिपोर्ट के अनुसार, श्रीलंकाई मंत्री ने कहा कि कैबिनेट ने पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 31 मार्च, 2024 तक भारत, चीन, रूस, मलेशिया, जापान, इंडोनेशिया और थाईलैंड के यात्रियों के लिए वीजा-मुक्त प्रवेश को मंजूरी दे दी है। श्रीलंका के पर्यटन उद्योग का लक्ष्य 2023 में 2 मिलियन आगंतुकों को आकर्षित करना है, जबकि पिछला लक्ष्य 1.5 मिलियन था।श्रीलंका के प्रमुख विदेशी मुद्रा अर्जक में से एक पर्यटन को दक्षिण एशियाई देश में कोविड-19 महामारी और आर्थिक और राजनीतिक संकट के कारण झटका लगा है।

खालिस्तानियों का नया अड्डा स्कॉटलैंड

लंदन ।ब्रिटेन में ऋषि सुनक सरकार की सख्ती के बाद अब भारत विरोधी खालिस्तानियों ने स्कॉटलैंड को नया अड्डा बना लिया है। स्कॉटलैंड में खालिस्तानी आतंकियों को खुलेआम महिमामंडित किया जा रहा है।इस सब के बीच पाकिस्तानी मूल के स्कॉटलैंड के फर्स्ट मिनिस्टर हमजा यूसुफ इस पर चुप्पी साधे हुए हैं। खालिस्तानी गतिविधियों पर नजर रखने वाली वेबसाइट खालिस्तान एक्सट्रीमिज्म मॉनिटर (केईएम) के अनुसार, स्कॉटलैंड में खालिस्तान के नाम पर की जा रही फंडिंग पर हमजा सरकार कोई रोक नहीं लगा रही है। भारत में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन सिख फॉर जस्टिस स्कॉटलैंड में फंड जुटाने में लगा है।

पाकिस्तान के पूर्व पीएम नवाज शरीफ को राहत, भ्रष्टाचार के मामले में मिली सजा निलंबित

इस्लामाबाद।पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को बड़ी राहत मिली है।पंजाब की अंतरिम सरकार ने पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) प्रमुख नवाज शरीफ को अल अजीजीया स्टील मिल केस में मिली सजा निलंबित कर दी है।73 वर्षीय नवाज शरीफ गत शनिवार को ही चार साल स्व-निर्वासन के दौरान लंदन में बिताने के बाद पाकिस्तान लौटे हैं।उल्लेखनीय है कि नवाज शरीफ अल-अजीजीया मिल्स भ्रष्टाचार मामले में लौहार की कोट लखपत जेल में सात साल की सजा काट रहे थे।उन्हें 2019 में लाहौर हाई कोर्ट द्वारा विदेश में इलाज के लिए चार सप्ताह की अनुमति दिये जाने के बाद से वे लंदन में रह रहे थे। नवाज शरीफ को भ्रष्टाचार के मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा सार्वजनिक पद संभालने से जीवन भर अयोग्य घोषित किए जाने के बाद 2017 में प्रधानमंत्री का पद छोड़ना पड़ा था।

पाकिस्तान ने गौरी हथियार प्रणाली का सफल प्रशिक्षण परीक्षण किया

इस्लामाबाद।पाकिस्तान ने बैलिस्टिक मिसाइल अबाबील हथियार प्रणाली के उड़ान परीक्षण के एक सप्ताह बाद मंगलवार को गौरी हथियार प्रणाली का सफल प्रशिक्षण परीक्षण किया।सेना ने एक बयान में कहा कि परीक्षण का उद्देश्य 'सेना रणनीतिक बल कमान (एएसएफसी) की अभियानगत और तकनीकी तैयारी का परीक्षण करना है।' परीक्षण पर कमांडर एएसएफसी, रणनीतिक बलों के वरिष्ठ अधिकारियों, वैज्ञानिकों और रणनीतिक संगठन के इंजीनियरों ने नजर रखी।मंगलवार को गौरी हथियार प्रणाली का प्रशिक्षण परीक्षण ऐसे समय हुआ जब अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए संबंधित वस्तुओं की आपूर्ति को लेकर तीन चीनी कंपनियों पर कुछ दिन पहले प्रतिबंध लगा दिया था। इस्लामाबाद के सैन्य आधुनिकीकरण कार्यक्रम के लिए चीन हथियारों और रक्षा उपकरणों का मुख्य आपूर्तिकर्ता रहा है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी, अंतरिम प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकड़ और सैन्य प्रमुखों ने प्रशिक्षण परीक्षण की सफलता पर भाग लेने वाले सैनिकों, वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई दी। इससे पहले 18 अक्टूबर को पाकिस्तान ने अबाबील हथियार प्रणाली का सफल उड़ान परीक्षण किया था।

हमास को जड़ से उखाड़ फेंकने की आवश्यकता : भारतीय-अमेरिकी सांसद श्री थानेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हमास को बर्बर आतंकवादी संगठन करार देते हुए भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने कहा कि इसे जड़ से उखाड़ फेंकने की आवश्यकता है। फलस्तीनी आतंवादी संगठन हमास ने सात अक्टूबर को दक्षिणी इजराइल में रॉकेट से ताबड़तोड़ हमले किए थे।

इस अप्रत्याशित हमले के जवाब में इजराइल के रक्षा बलों ने भी जबरदस्त जवाबी कार्रवाई की थी, जिससे दोनों पक्षों में संघर्ष छिड़ गया। अमेरिका के कैपिटल हिल (संसद परिसर) में भारतीय मूल के प्रमुख अमेरिकियों के एक समूह को संबोधित करते हुए थानेदार ने सोमवार को कहा, ''हमास कोई उग्रवादी समूह नहीं है। हमास कोई विरोधी आंदोलन नहीं है। वे लोग केवल बर्बर आतंकवादी हैं। इसके अलावा, उन्हें किसी और तरीके से परिभाषित नहीं किया जा सकता है।''

इजराइल के समर्थन में 'हिंदू एक्शन' की ओर से आयोजित कार्यक्रम में थानेदार ने कहा, ''यहऐसा समय नहीं है, जब हम उन्हें सिर्फ पीछे ढकेलें, क्योंकि वे फिर से संगठित होकर वापस आएंगे और अत्याचार करेंगे। वे यही करेंगे। इसलिए हमें इस स्तर पर उन्हें खत्म करने की जरूरत है; हमें धरती से उनका नामोनिशान मिटा देना जाना चाहिए।''

उन्होंने कहा, ''हमें उनके सैन्य अभियानों को खत्म करने की जरूरत है। हमें फलस्तीन के लोगों को मुक्त कराने की आवश्यकता है। गाजा में रहने वाले फलस्तीन

के 20 लाख लोगों को आजाद कराने की जरूरत है। उन्हें गाजा के आतंकवादी नियंत्रण से मुक्त कराने की आवश्यकता है।''

एक संयुक्त घोषणा में, कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले विभिन्न धर्म के लोगों ने अमेरिकी कांग्रेस से कॉलेज परिसरों में हिंदुओं, सिखों, यहूदियों, हजारा और यजीदी समुदायों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए व्यापक नीतियां बनाने का आग्रह किया। घोषणा में अमेरिकी कांग्रेस से अमेरिकी परिसरों में बढ़ती यहूदी विरोधी भावना के खिलाफ यहूदी कर्मचारियों और छात्रों की सुरक्षा के लिए कानूनों को मजबूत करने का भी आग्रह किया गया है। हाल ही में हिंदुओं, सिखों, बौद्धों और जैनियों के लिए कांग्रेसनल कॉकस का गठन करने वाले थानेदार ने कहा कि देश में हिंदूफोबिया के मामले बढ़ रहे हैं।

बराक ओबामा ने नेतन्याहू को चेताया

पेंटागन।पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने इजराइल को संयम बरतने की सलाह देते हुए चेताया है कि यदि यह हरकत जारी रही तो आगे खासा नुकसान हो सकता है।ओबामा ने इजराइल को संयम बरतने को कहा है। बराक ओबामा ने अपने एक बयान में कहा कि यदि इजरायल युद्ध के दौरान गाजा के नागरिकों की मानवीय पहलुओं को नजरअंदाज करेगा तो जल्द ही उसे इसका खासा नुकसान भी उठाना पड़ेगा। ओबामा ने कहा कि इजरायल यदि लगातार गाजा पर हमलावर रहेगा तो वैश्विक स्तर पर उसका समर्थन कमजोर पड़ जाएगा।उन्होंने इसराइल को चेताया है कि ऐसे हालात में दुश्मन देश एक होकर अपने पक्ष में समर्थन जुटा सकते हैं और इसका खामियाजा दुनिया को भुगतना पड़ सकता है। एक अन्य बयान में बराक ओबामा ने कहा कि गाजा पर बमबारी की वजह से पहले ही हजारों फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में बच्चे भी शामिल हैं।इन हमलों में हजारों लोगों को अपने घर से बेघर होना पड़ा है। बराक का कहना है कि गाजा में नागरिकों के लिए भोजन, पानी और बिजली की व्यवस्था तक नहीं है।वहां मानवीय संकट का खतरा उत्पन्न हो गया है।इजराइल के लिए गाजा क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाने के लिए किए जाने वाले दीर्घकालिक प्रयासों को भी नुकसान होगा। बराक ने स्पष्ट कहा कि युद्ध सिर्फ दुखद होता है। जंग में नागरिकों की जान को सिर्फ जोखिम में डाला जाता है फिर चाहे युद्ध कितना ही सावधानी से क्यों न लड़ा जा रहा हो।

अमेरिका में सुपरफॉग के कारण कई वाहन आपस में टकराए, कम से कम सात लोगों की मौत

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में दक्षिण लुइसियाना के जंगलों में लगी भीषण आग से छाए घने धुएं (सुपरफॉग) और कोहरे की मोटी परत के कारण सोमवार को लगभग 158 वाहन आपस में टकरा गए, जिससे कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए।

लुइसियाना स्टेट पुलिस ने एक बयान में कहा कि घटनास्थल पर राहत एवं बचाव कार्य जारी है, ऐसे में मृतकों और घायलों की संख्या में इजाफा हो सकता है। गवर्नर जॉन बेल एडवर्ड्स ने लोगों से इस घटना में मारे गए और घायल हुए लोगों के लिए प्रार्थना करने तथा रक्तदान के वास्ते आगे आने की अपील की।

सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो और तस्वीरों में न्यू ओर्लियंस के पास इंटरस्टेट-55 पर हुए इस हादसे के दर्दनाक मंजर को देखा जा सकता है। बड़ी संख्या में आपस में टकराए वाहन एक-दूसरे के ऊपर चढ़ गए, जिससे उनमें आग लग गई। हादसे के कारण इंटरस्टेट-55 पर लंबा यातायात जाम लग गया।

पीड़ितों को घटनास्थल से निकालने के लिए स्कूल बसों की मदद ली गई। वहीं, दृश्यता की कमी के मद्देनजर अधिकारियों ने इंटरस्टेट-10 और 24 मील लंबे लेक पॉन्टचरट्रेन कॉजवे को भी यातायात के लिए बंद कर दिया।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन को आया हार्ट अटैक, कमरे के फर्श पर गिरे मिले : रिपोर्ट में दावा

मास्को।रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के स्वास्थ्य को लेकर कई माह से चल रही अटकलों के बीच ताजा जानकारी यह है कि उन्हें कथित रूप से दिल का दौरा पड़ा है।इससे संबंधित खबर को टेलीग्राम ग्रुप जुनरल एसवीआर ने साझा किया है।इस खबर के मुताबिक पुतिन को रविवार रात करीब 9.05 बजे अपने बेडरूम के फर्श पर खाने-पीने की चीजों के पास गिरा हुआ पाया गया।उनके सुरक्षाकर्मी शोर और पुतिन के फर्श से टकराने की आवाज सुनकर कमरे में दाखिल हुए थे।टेलीग्राम ग्रुप की तरफ से लिखा गया है, संभव है जब राष्ट्रपति पुतिन जब गिरे तो मेजर पर रखे बर्तनों पर हाथ लगा होगा और यह सुन ही सुरक्षा अधिकारी कमरे में दाखिल हुए।पुतिन जब फर्श पर गिरे हुए थे तो उनके आंखें पलटी हुई थी।बगल के कमरे से राष्ट्रपति के डॉक्टर को तत्काल बुला कर इलाज शुरू किए जाने पर पुतिन होश में आए।हालांकि अब उनका स्वास्थ्य स्थिर बताया जा रहा है।रूसी राष्ट्रपति पुतिन के स्वास्थ्य से संबंधित कई जानकारियां समय-समय पर मिलती रही हैं।जिनमें उनके कैंसर सहित कई दूसरी बीमारियों से ग्रसित होने के दावे किए जाते हैं।

चीन के विदेश मंत्री वांग यी 26 से 28 अक्टूबर तक अमेरिका की यात्रा पर आयेंगे

वाशिंगटन (एजेंसी)। चीन के विदेश मंत्री वांग यी अमेरिका के तीन दिवसीय दौरे पर बृहस्पतिवार वाशिंगटन पहुंचेंगे, जहां वह अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। यह बातचीत चीन के साथ संवाद बनाए रखने की बाइडन प्रशासन की कोशिशों का एक हिस्सा है। अमेरिका के विदेश विभाग ने सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि ब्लिंकन 26 से 28 अक्टूबर तक वाशिंगटन में चीन के विदेश मंत्री वांग यी की मेजबानी करेंगे। विज्ञप्ति के मुताबिक, दोनों नेता अमेरिका-चीन संबंधों का जिम्मेदाराना ढंग से प्रबंधन करने और संवाद के खुले चैनल बनाए रखने के प्रयासों के तहत कई द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। अमेरिका और चीन के रिश्ते पिछले कुछ वर्षों में बेहद तनावपूर्ण दौर से गुजर रहे हैं। दोनों देशों ने 2018 में एक-दूसरे के सामान पर आयात शुल्क में वृद्धि की थी, जिससे उनके बीच व्यापार विवाद गहरा गया है। विज्ञप्ति में

कहा गया है, 'वाशिंगटन अमेरिकी हितों एवं मूल्यों को आगे बढ़ाने, मतभेद वाले मुद्दों को सुलझाने और साझा अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों से निपटने की दिशा में प्रगति करने के लिए कूटनीति का इस्तेमाल करना जारी रखेगा।' वांग की वाशिंगटन यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब अमेरिकी सांसदों ने चीन से दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच आर्थिक एवं व्यापारिक मतभेदों को पाटने की मांग तेज कर दी है। यह यात्रा सैन फ्रांसिस्को में अगले महीने प्रस्तावित एक क्षेत्रीय सम्मेलन के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और उनके अमेरिकी समकक्ष जो बाइडन के बीच संभावित द्विपक्षीय बैठक से पहले हो रही है। बैठक में द्विपक्षीय रिश्तों में आई तल्खी को कम करने के उपायों पर चर्चा होने की संभावना है।

लेबनान-इज़राइल सीमा पर चार हिजबुल्लाह आतंकवादी मारे गए

बेरूत/यरूशलम (एजेंसी)। लेबनान-इजराइल सीमा पर इजराइली सेना के साथ टकराव के दौरान चार हिजबुल्लाह आतंकवादी मारे गए और चार अन्य घायल हो गए। लेबनानी आंतरिक सुरक्षा बलों के सूत्रों ने शिन्हुआ को बताया कि आतंकवादियों पर इजरायली ड्रोन ने हमला किया। सोमवार सुबह और दोपहर में वादी खानसा शहर, कफरहाम गांव और दक्षिणपूर्व में बस्तर फार्म में आठ मिसाइलें दागी गईं। सूत्रों ने कहा कि लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) ने बमबारी रोकने और लेबनानी रेड क्रॉस को पीड़ितों तक पहुंचने और उन्हें मार्जियॉन सरकारी अस्पताल में ले जाने की अनुमति देने के लिए इज़राइल के साथ बातचीत किया। सूत्रों के अनुसार, दक्षिण-पूर्वी लेबनान के कफरचौबा, राशाया अल-फखर गांवों और जबल सदाना क्षेत्र के बाहरी इलाके में इजराइली तोपखाने की ओर से गोलाबारी की गई। इस बीच, हिजबुल्लाह ने दावा किया कि उसने उत्तरी इज़राइल में एक बस्ती मिसगाव एम और दक्षिण-पूर्व लेबनान में सीमा पर अल-अबाद साइट पर निर्देशित मिसाइलों और तोपखाने के गोले से हमला किया। इज़राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि उसने सोमवार रात को लेबनान में हिजबुल्लाह चौकियों पर कई हमले किए, इसमें आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला दक्षिणी लेबनान में एक सैन्य परिसर, एक सैन्य चौकी और एक अवलोकन चौकी शामिल थी। आईडीएफ ने सोमवार देर रात कहा, 'ये हमले आज लेबनानी क्षेत्र से रॉकेट और एंटी-टैंक मिसाइल प्रक्षेपण के जवाब में किए गए।' इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन (आईओएम) के एक प्रवक्ता ने सोमवार को कहा कि सीमा तनाव के कारण लेबनान में 19 हजार से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं और हिंसा बढ़ने पर यह संख्या बढ़ने की उम्मीद है। आईओएम के अनुसार, अधिकांश विस्थापित अपने परिवार के सदस्यों के साथ दक्षिणी लेबनान में चले गए हैं।

पाकिस्तान में आम चुनाव की तारीख जल्द घोषित होने की संभावना: प्रधानमंत्री काकड़

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकड़ ने उम्मीद जताई है कि निर्वाचन आयोग जल्द ही चुनाव की तारीख की घोषणा करेगा। उन्होंने जोर दिया कि अगले आम चुनाव में सभी राजनीतिक दलों के लिए समान अवसर उपलब्ध होंगे। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) ने पिछले महीने किसी तारीख की घोषणा किए बिना कहा था कि आम चुनाव जनवरी 2024 के आखिरी हफ्ते में होंगे।

चीन से लौटने के तीन दिन बाद संवाददाताओं से मुखातिब काकड़ ने कहा, 'ऐसा लग रहा है कि जल्द ही चुनाव की तारीख का ऐलान हो जाएगा।' वह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) की 10वीं वर्षगांठ पर बेल्ट एंड रोड फोरम (बीआरएफ) सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए चीन गए थे।

देश में सभी राजनीतिक दलों के लिए समान अवसर के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कार्यवाहक प्रधानमंत्री ने कहा, 'किसी भी राजनीतिक दल को राजनीतिक प्रक्रिया से बाहर नहीं रखा गया है और कार्यवाहक सरकार चुनावी प्रक्रिया में सहयोग देने की पूरी कोशिश कर रही है।' उन्होंने कहा, 'हम चाहते हैं कि कोई भी राजनीतिक दल, संस्था और उससे जुड़ी

राजनीतिक हस्तियां (चुनाव) प्रक्रिया से बाहर न हों, लेकिन अगर अदालत कोई प्रतिबंध लगाती है, तो हमें आदेश का पालन करना होगा।'

उनकी यह टिप्पणी पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संदर्भ में देखी जा रही है, जो कानूनी चुनौतियों का सामना कर रही है और जिसके कई नेता जेल में हैं। 'द डॉन' अखबार में मंगलवार को काकड़ के हवाले से प्रकाशित खबर में कहा गया है, 'अगर समान अवसर का मतलब किसी खास पार्टी की जीत सुनिश्चित करना है तो इस पर टिप्पणी नहीं कर सकता। (हमें) 2018 का समान अवसर याद है, जब दक्षिण पंजाब मोर्चा अस्तित्व में आया था।' इन आरोपों को खारिज करते हुए कि समान अवसर सभी राजनीतिक दलों के बजाय किसी एक पार्टी के लिए उपलब्ध हैं, काकड़ ने कहा, 'कार्यवाहक व्यक्ति दो महीने में ऐसे कौन-से प्रयास कर सकते हैं, जिनसे किसी एक पार्टी को (नेशनल असेंबली की) 171 सीटें हासिल करने में मदद मिलेगी।'

पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) प्रमुख नवाज शरीफ की वतन वापसी के दो दिन बाद पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और पीटीआई की चुनावों में समान अवसर उपलब्ध कराने की मांग के संबंध में काकड़ मीडिया से बात कर रहे थे। 'द डॉन' के मुताबिक, जब काकड़ से पूछा गया कि 'शरीफ को उनकी वापसी पर असाधारण प्रोटोकॉल क्यों दिया गया और ब्रिटेन में पाकिस्तान के उच्चायुक्त उन्हें छोड़ने के लिए हवाई अड्डे पर क्यों आए थे', तो वह इसका जवाब देने से बचते नजर आए। 'द इंटरनेशनल न्यूज' की रिपोर्ट के अनुसार, जब काकड़ से पूछा गया कि क्या आगामी चुनावों से पहले बलूच अवामी पार्टी (बीएपी) के कुछ प्रमुख नेताओं के पीएमएल(एन) में शामिल होने की संभावना है, तो जवाब में उन्होंने कहा, 'अगर कोई नेता किसी खास राजनीतिक दल में शामिल होना चाहता है तो उसे ऐसा करने का अधिकार है।'

इजरायल-हमास युद्ध में डबल गेंम खेल रहा चीन, ईरान का समर्थन उधर इजराइल की तारीफ

- अमेरिका को टक्कर देने उतरे छह युद्धपोत

बीजिंग (एजेंसी)। इजरायल-हमास युद्ध का मंगलवार को अठारहवां दिन है। इस बीच इजरायल गाजा पट्टी पर हमले करने से नहीं चूक रहा है। उत्तरी गाजा के अल-शती शरणार्थी शिविर के साथ-साथ राफा और खान यूनिस के दक्षिणी शहरों में महिलाओं और बच्चों सहित सौ से अधिक लोग मारे गए हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में कम से कम 436 लोग मारे गए हैं। उधर, इजरायली मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, हमास द्वारा रिहा की गई दो बुजुर्ग महिलाएं अपने परिवारों से मिल गई हैं और अस्पताल में आराम कर रही हैं। हालांकि, हमास द्वारा अभी भी बंधक बनाए गए लोगों को लेकर चिंता बरकरार हैं क्योंकि इजरायल जमीनी आक्रमण करने पर उतारू है।

इस बीच, चीन ने बड़ा कदम उठाकर अपने छह युद्धपोत फारस की खाड़ी में उतार दिए हैं। चीन ने ऐसा ईरान को कवरअप देने के लिए किया है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि छह चीनी युद्धपोत, जिसमें 052डी टाइप गाइडेड-मिसाइल विध्वंसक पोत जिबो, फ्रिगेट जिंगझू और सप्लाई शिप कियानदाओहू भी शामिल हैं। ये सभी चीनी सेना पीएलए के 44वें नौसैनिक एस्कॉर्ट टास्क फोर्स का हिस्सा है, जिसने हाल ही में ओमान के साथ एक संयुक्त सैन्य अभ्यास में भाग लिया था।

चीन ने ऐसा तब किया है, जब अमेरिका ने अपने सबसे हाईटेक युद्धपोत यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड को एक युद्ध समूह के साथ भूमध्य सागर में तैनात कर दिया है। वाशिंगटन इजरायल को ए-10 वॉर्थोग और एफ-15ई हमले वाले विमानों के साथ-साथ नवीनतम हथियारों से भी सहायता कर रहा है।

बता दें कि चीन अभी तक दक्षिणी चीन सागर में ही अपनी नौसैनिक ताकत दिखाता रहा है, लेकिन इस बार चीन ने फारस की खाड़ी में अपने जंगी बेड़ा को उतारकर अपनी मंशा जगजाहिर कर दी है। दुनिया की दो बड़ा महाशक्तियों के आमने-सामने आ जाने की वजह से अब ऐसी आशंका घर करने लगी है कि इजरायल-हमास युद्ध लंबा चल सकता है। ये लड़ाई अब अमेरिका बनाम चीन की भी हो सकती है क्योंकि अमेरिका पहले ही खुलकर इजरायल के साथ आ चुका है और उसके साथ ब्रिटेन, फ्रांस सहित कई यूरोपीय देश हैं तब चीन ने ईरान का साथ देने के लिए उसके नजदीक जंगी बेड़े उतारे हैं। यानी कहा जा सकता है कि चीन ईरान के साथ है। ईरान पर पहले से ही हमास को फंड और हथियार देने का आरोप अमेरिका और इजरायल लगाता रहा है।

इस बीच एक बड़े घटनाक्रम में रूसी विदेश मंत्री ने ईरान का दौरा किया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पहले ही संकेत दे चुके हैं कि उनका देश ईरान के साथ पूरी ताकत के साथ खड़ा है। उधर, ईरान गाजा पट्टी में इजरायली हमलों को देखकर बार-बार चेतावनी दे रहा है कि आम नागरिकों को निशाना न बनाए लेकिन

इजरायल इससे बाज नहीं आ रहा है।

इस बीच चीन ने एक और चौंकाने वाला कदम उठाया है। फिलिस्तीन का खुलकर समर्थन कर रहे चीनी विदेश मंत्री ने इजरायल की तरफदारी करते हुए कहा है कि सभी देशों को आत्मरक्षा का अधिकार है। ऐसा कहकर चीन ने एक तरह से इजरायली हमले का समर्थन कर दिया है। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने इजरायली समकक्ष से फोन पर बात कर कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों का पालन करते हुए इजरायल को भी अपने नागरिकों की सुरक्षा करने का अधिकार है। हमास-इजरायल युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार चीन ने इजरायल के किसी बड़े नेता से बात की है।

उपराज्यपाल ने दिल्ली पुलिस में 13,013 रिक्तियां भरने को दी मंजूरी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने दिल्ली पुलिस में जूनियर रैंक के 13,013 रिक्त पदों को जुलाई, 2024 तक भरने की मंजूरी दे दी है, जबकि इनमें से 3521 इस साल दिसंबर तक भरे जाएंगे। सक्सेना ने रिक्त पदों को उचित प्रक्रिया के बाद भरने के निर्देश जारी किए और कहा कि विभिन्न पदों पर पर्याप्त संख्या में महिला उम्मीदवारों का चयन किया जाए। 'तदनुसार, रिक्तियों का विज्ञापन किया गया और लिखित परीक्षा, पीई और एमटी, टाइपिंग परीक्षण आयोजित किए गए। ये पद दिसंबर 2023 से जुलाई 2024 के बीच चरणबद्ध तरीके से भरे जाने हैं।' 'भरे जाने वाले पदों में शामिल हैं: 559 पुरुष और 276 महिला हेड कांस्टेबल, 1411 पुरुष कांस्टेबल ड्राइवर, 573 पुरुष और 284 महिला हेड कांस्टेबल (एडब्ल्यूओ/टीपीओ)।' अधिकारी के अनुसार, विभिन्न रैंकों में फोटोग्राफर, ड्राफ्टस्मैन, स्टोर क्लर्क, फिटर, मास्ट लास्कर, एमटी हेल्पर, एमटीस्टोरमैन, सांख्यिकीविद, सहायक, रेडियो तकनीशियन और वर्कशॉप हैंड्स आदि के 418 तकनीकी पद हैं, जिनके लिए ट्रेड/कौशल परीक्षा की आवश्यकता होती है। अधिकारी ने कहा, इसके अलावा, 840 मल्टी-टास्किंग स्टाफ भी भरे जा रहे हैं। एसएससी द्वारा की जा रही भर्तियों में से 11,214 भरने के विभिन्न चरणों में हैं और 1799 रिक्तियों को भर्ती के लिए जल्द ही विज्ञापित किया जाना है।'

प्रियंका गांधी आज झुझुनूं में जनसभा को करेगी सम्बोधित

जयपुर। पूर्व केन्द्रीय मंत्री पद्मश्री स्व. शीशराम ओला जी की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम तथा इस अवसर पर आयोजित होने वाली विशाल जनसभा को सम्बोधित करने हेतु अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी दिनांक 25 अक्टूबर, 2023 को झुंझुनूं आने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि जिले के इंदिरा गांधी बालिका निकेतन मैदान, अरडावता, तह. चिड़ावा, जिला झुंझुनूं में दिनांक 25 अक्टूबर, 2023 को पूर्व केन्द्रीय मंत्री पद्मश्री स्व. शीशराम ओला की प्रतिमा अनावरण एवं इस अवसर पर आयोजित विशाल जनसभा को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी का कार्यक्रम प्रस्तावित है। चतुर्वेदी ने बताया कि जनसभा से संबंधित तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन हेतु राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजन समिति का गठन किया गया है। समिति में प्रभारी मंत्री श्रीमती ममता भूपेश, राज्यमंत्री बृजेन्द्र सिंह ओला, विधायक डॉ. जितेन्द्र सिंह, डॉ. राजकुमार शर्मा, सुश्री रीटा कुमारी, जे. पी. चन्देलिया, पूर्व विधायक श्रवण कुमार, पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी भगवाना राम सैनी, पीसीसी उपाध्यक्ष एवं संभाग प्रभारी श्रीमती नसीम अख्तर इंसाफ, पीसीसी महासचिव एवं जिला प्रभारी श्री रामसिंह कस्वां तथा जिला कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश सुण्डा को सम्मिलित किया गया है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट की बड़ी टिप्पणी, दूसरे धर्म के जोड़ों का लिविंग रिलेशनशिप में रहना सिर्फ टाइम पास

इलाहाबाद । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक बड़ा फैसला दिया है जो कि अलग-अलग धर्म को मानने वाले और लिव इन रिलेशनशिप में रहने वाले लोगों के लिए है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अंतर धार्मिक जोड़ो को लेकर कहा है कि जब तक जुड़ा है इस रिश्ते को शादी के जरिए कोई नाम नहीं देता है तब तक इस संरक्षण देने का कोई आदेश नहीं दिया जा सकता। कोर्ट ने आदेश देते हुए कहा कि जीवन बहुत कठिन और मुश्किल होता है। हालांकि इस मामले पर कोर्ट ने हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया और याचिका को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति राहुल चतुर्वेदी और न्यायमूर्ति एमएएच इदरीसी की खंडपीठ ने कुमारी राधिका और सोहैल खान की याचिका को खारिज कर दिया है। इसमें एक ही याची के चचेरे भाई अहसान फिरोज ने हलफनामा देकर याचिका दाखिल की थी। याचिकाकर्ता ने कहा कि दोनों लिव इन रिलेशनशिप में रहना चाहते है मगर अपहरण के आरोप में मथुरा की रिफाइनरी थाने में एफआईआर रद्द करने की मांग की गई है। पुलिस संरक्षण की मांग करते हुए गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग की गई है। इस मामले पर कोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कई मामलों में लिव इन रिलेशनशिप को मान्यता दी है। मगर इस तरह के रिश्ते अस्थायी होते है। युवा खुद ही इन रिश्तों पर गंभीरता के साथ विचार नहीं कर पाते है। खंडपीठ का कहना है कि कोर्ट का मानना है कि इस तरह के रिश्तों में स्थिरता और ईमानदारी कम होती है बल्कि लगाव अधिक होता है। जोड़े जबतक शादी करने का फैसला नहीं करते हैं तब तक वो रिश्तो को लेकर पूरी तरह से श्योर नहीं होते है। अदालत ने साफ किया है कि इस तरह के रिश्तों में कोई राय व्यक्त करने से अदालत खुद को रोकेगी।

ओवैसी ने मोदी से गाजा में मानवीय गलियारा खुलवाने और संघर्षविराम कराने की अपील की

हैदराबाद। एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अपील की है कि वह गाजा में मानवीय गलियारा खुलवाने और संघर्षविराम कराने का प्रयास करें जिससे कि लोगों को राहत मिल सके। ओवैसी सोमवार रात यहां पार्टी मुख्यालय में ''फलस्तीन में इजराइल के अत्याचारों के विरोध में'' आयोजित एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। फलस्तीनी उग्रवादी समूह हमास ने सात अक्टूबर को दक्षिणी इज़राइल में रॉकेट हमलों की झड़ी लगा दी थी। इस अभूतपूर्व हमले के कारण इज़राइल रक्षा बलों की ओर से जवाबी कार्रवाई शुरू हो गई है। भारत द्वारा राहत सामग्री भेजने के बारे में पूछे जाने पर ओवैसी ने कहा, ''भारत सहायता भेज रहा है। लेकिन, इजराइल कह रहा है कि हम इसकी अनुमति नहीं देंगे। हम राफा के माध्यम से गाजा को सहायता भेजने के बारे में बात कर रहे हैं। हमारे विमान जा चुके हैं। हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मांग करते हैं कि वह पहले वहां संघर्षविराम कराएं। गाजा में संघर्षविराम कराएं और वहां एक मानवीय गलियारा खुलवाएं।'' उन्होंने कहा कि गाजा में 50,000 महिलाएं गर्भवती हैं और अस्पतालों में बिजली, ऑक्सीजन और अन्य आवश्यक वस्तुएँ उपलब्ध नहीं हैं। ओवैसी ने कहा कि गाजा में ''हमले'' की निंदा की जानी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि गाजा में इजराइल जो कर रहा है वह ''नरसंहार'' है। उन्होंने कहा, ''जी20 के प्रमुख के तौर पर देश के प्रधानमंत्री की अतिरिक्त जिम्मेदारी है कि वह संघर्षविराम कराएं और वहां एक मानवीय गलियारा खुलवाएं, ताकि, फलस्तीन के लोगों को राहत मिल सके और उनकी जान बचाई जा सके।'' गाजा में रहने वाले लोगों की दुर्दशा पर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच, भारत ने रविवार को दवाओं एवं चिकित्सा उपकरणों समेत 38 टन से अधिक राहत सामग्री भेजी।

चेन्नई के पास ईएमयू के तीन खाली डिब्बे पटरी से उतरे, रेल सेवाएं प्रभावित

चेन्नई। चेन्नई में उपनगर अवाडी के पास इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (ईएमयू) ट्रेन के तीन खाली डिब्बे मंगलवार तड़के पटरी से उतर गए। दक्षिण रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक, सुबह पांच बजकर 40 मिनट पर हुई इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन इससे इस व्यस्त मार्ग पर रेल सेवाएं प्रभावित हुई हैं और कई ट्रेन देरी से चल रही हैं। दक्षिण रेलवे ने शुरुआत में चार डिब्बों के पटरी से उतरने की जानकारी दी थी, लेकिन बाद में इसने स्पष्ट किया कि तीन डिब्बे पटरी से उतरे हैं। आधिकारिक बयान में कहा गया, 'उपनगरीय ईएमयू ट्रेन की खाली रेक के आखिरी तीन डिब्बे सुबह 5.40 बजे अवाडी ईएमयू कार शेड से मुख्य लाइन पर निकलते समय अवाडी रेलवे स्टेशन पर पटरी से उतर गए।' बयान के अनुसार, घटना से चेन्नई सेंट्रल की तरफ उपनगरीय लाइन पर रेल सेवाएं प्रभावित हुईं, जबकि ओवरहेड उपकरण (ओएचई) केबल में गड़बड़ी के कारण मुख्य एक्सप्रेस लाइन पर मामूली व्यवधान आया। इसमें कहा गया कि घटना के कारण चेन्नई सेंट्रल की ओर जाने वाली पांच ईएमयू ट्रेन देरी से चलीं और तीन एक्सप्रेस ट्रेन-मैसूरु जाने वाली वंदे भारत और शताब्दी एक्सप्रेस तथा चेन्नई-कोयंबटूर कोवई एक्सप्रेस को अंबत्तूर रेलवे स्टेशन पर रोकना पड़ा। बयान के मुताबिक, घटना के कारण चेन्नई सेंट्रल से चलने वाली सप्तगिरि एक्सप्रेस (चेन्नई-तिरुपति) और बेंगलुरु जाने वाली बृंदावन एक्सप्रेस तथा डबल डेकर एक्सप्रेस का समय पुनर्निर्धारित किया गया है। इसमें कहा गया, 'मंडल रेल प्रबंधक और उनके वरिष्ठ अधिकारियों की टीम मौके पर है। ट्रैक पर रेल सेवाओं की बहाली का काम जोरों पर है और अब मुख्य लाइन को ट्रेन परिचालन के लिए खोल दिया गया है।

अगर सत्ता में बैठे लोग सत्ता बरकरार रखना चाहते हैं, तो युवाओं को नजरअंदाज नहीं कर सकते : शरद पवार

पुणे (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि अगर सरकार में शामिल लोग सत्ता बरकरार रखना चाहते हैं तो वे महाराष्ट्र में 'युवा संघर्ष यात्रा' निकाल रहे युवाओं को नजरअंदाज नहीं कर सकते। महाराष्ट्र में युवाओं के सामने आने वाले मुद्दों को सामने लाने के लिए पुणे से नागपुर तक निकाले जा रहे पैदल मार्च 'युवा संघर्ष यात्रा' को हरी झंडी दिखाते हुए पवार ने यह बात कही।

मार्च का नेतृत्व राकांपा विधायक और शरद पवार के पोते रोहित पवार कर रहे हैं। मार्च में शामिल युवा 800 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करते हुए 13 जिलों की यात्रा करेंगे। 45 दिवसीय 'युवा संघर्ष यात्रा' राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान नागपुर में समाप्त होगी। शरद पवार ने कहा, ''यह मार्च राज्य के युवाओं को प्रोत्साहित करेगा, और मुझे यकीन है कि इस युवा संघर्ष यात्रा से परिवर्तन और आपकी मांगों को पूरा करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इस यात्रा का सबसे अच्छा उदाहरण यह है कि जिस क्षण आपने इसे (मार्च) शुरू करने का फैसला किया, सरकार ने संविदा भर्ती का निर्णय वापस ले लिया।''

उन्होंने कहा कि जब तक यह यात्रा नागपुर पहुंचती है, सरकार में शामिल लोग अगर सत्ता अपने हाथ में रखना चाहते हैं, तो वे उन युवाओं को नजरअंदाज नहीं कर सकते जो इस यात्रा को शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक तरीके से निकाल रहे हैं। पवार ने कहा कि अगर सरकार इस तरह (युवाओं के मार्च को नजरअंदाज करना) का दृष्टिकोण अपनाती है, तो उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। राकांपा नेता ने कहा कि युवाओं की मांगों में यह भी शामिल है कि शैक्षणिक संस्थान अत्यधिक फीस न वसूलें और बच्चों के माता-पिता से ली गई अतिरिक्त फीस वापस करें।

शरद पवार ने कहा, ''अन्य मांगों में स्कूलों और कॉलेजों में शिक्षकों और प्रोफेसर के रिक्त पदों पर भर्ती, एमपीएससी के माध्यम से भर्ती प्रक्रिया आयोजित की जानी चाहिए और छत्रपति संभाजीनगर, सोलापुर, कोल्हापुर और अमरावती जैसे शहरों में सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों का विकास किया जाना शामिल है।'' अन्य मांगों में परीक्षा पेपर लीक के खिलाफ कानून बनाना, (विभिन्न विभागों में) 2,50,000 से अधिक उम्मीदवारों की भर्ती प्रक्रिया शुरू करना और छात्रों को दिए गए शिक्षा ऋण पर ब्याज माफकरना शामिल है। शरद पवार ने कहा कि इन सभी मांगों को पूरा करने के लिए जरूरी है कि सरकार से संवाद हो।

कार्यक्रम में एकत्रित युवाओं को संबोधित करते हुए कहा पवार ने कहा, ''आप इन सभी मांगों को मुख्यमंत्री को सौंपें और यदि आप चाहें तो मैं युवाओं द्वारा की गई इन सभी मांगों के लिए एक बैठक बुलाने के वास्ते मुख्यमंत्री से बात करूंगा और मैं व्यक्तिगत रूप से आप लोगों के साथ बैठक में उपस्थित रहूंगा।'' उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से इन मांगों पर फैसले की समयसीमा के बारे में पूछा जाएगा और अगर मांगें पूरी हुई तो मुख्यमंत्री को बधाई दी जाएगी। पवार ने कहा, ''लेकिन, अगर मांगें पूरी नहीं हुई, तो तय करेंगे कि आगे क्या करना है।

भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील हुआ 'हामून', ओडिशा में बड़े प्रभाव की आशंका नहीं

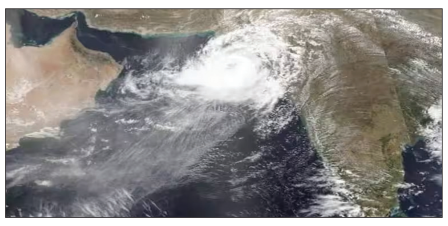

भुवनेश्वर। चक्रवाती तूफान 'हामून' भीषण चक्रवात में तब्दील हो गया है, लेकिन इससे ओडिशा में कोई बड़ा प्रभाव पड़ने की आशंका नहीं है क्योंकि यह लगभग 200 किलोमीटर की दूरी से राज्य के तट को पार करेगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आईएमडी ने एक बुलेटिन में कहा, 'अगले कुछ घंटों में 'हामून' के और अधिक भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील होने का अनुमान है, क्योंकि यह बंगाल की खाड़ी में 21 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ेगा।' बुलेटिन के मुताबिक, इसके बाद उत्तर-पूर्व की तरफ बढ़ते हुए 'हामून' के धीरे-धीरे कमजोर होने और 65-75 किलोमीटर प्रति घंटे से लेकर 85 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चक्रवाती तूफान के रूप में खेपुपारा और चटगांव के बीच बांग्लादेश तट को पार करने की संभावना है। बुलेटिन में कहा गया कि 'हामून' मंगलवार सुबह 5.30 बजे पारादीप (ओडिशा) से लगभग 230 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व, दीघा (पश्चिम बंगाल) से 240 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व, खेपुपारा (बांग्लादेश) से 280 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपश्चिम और चटगांव (बांग्लादेश) से 410 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में केंद्रित था। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा, 'समुद्र से गुजरने वाला चक्रवात ओडिशा तट से लगभग 200 किलोमीटर दूर रहेगा। इसलिए राज्य के तटीय क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश होने के अलावा वहां कोई बड़ा प्रभाव पड़ने की आशंका नहीं है।'

पीएम मोदी को मिले भेंट और उपहार होंगे नीलाम, 31 अक्टूबर तक चलेगी ई-नीलामी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार का संस्कृति मंत्रालय, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेंट किए गए उपहारों और स्मृति चिन्हों की श्रृंखला का प्रदर्शन करते हुए ई-नीलामी कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। इस ई-नीलामी में समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करने वाली कलाकृतियों का एक अनूठा संग्रह है। ई-नीलामी 2 अक्टूबर से शुरू है जो 31 अक्टूबर, 2023 तक चलेगी।

केंद्रीय संस्कृति और विदेश राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी ने ई-नीलामी के बारे में कहा कि दुर्गा पूजा और दशहरा उत्सवों के कारण ई-नीलामी में तेजी आई है। यह ई-नीलामी सफल नीलमियों की श्रृंखला का 5वां संस्करण है, जिनमें पहला संस्करण जनवरी 2019 में आयोजित हुआ था। उन्होंने कहा कि पिछले 4 संस्करणों में, 7000 से ज्यादा वस्तुओं को ई-नीलामी के लिए रखा गया था। इस बार ई-नीलामी के लिए 912 वस्तुएं हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की यह प्रमुख पहल हमारी राष्ट्रीय नदी, गंगा को संरक्षित करने, बहाल करने और इसकी संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। इस नीलामी के माध्यम से प्राप्त धन का उपयोग इस महान कार्य में योगदान के लिए किया जाएगा। यह अमूल्य राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा के लिए हमारी अटूट प्रतिबद्धता को मजबूती प्रदान करेगा। मीनाक्षी लेखी ने चल रही प्रधानमंत्री स्मृति चिन्ह की ई-नीलामी के बारे में जानकारी दी और इसमें हुए महत्वपूर्ण रुझानों पर प्रकाश डाला। इस आयोजन का दिल्ली में नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट में स्मृति चिह्नों की क्यूरेटेड प्रदर्शनी रहा, जिसमें 15,500 से ज्यादा आगंतुक शामिल हुए।

लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रदर्शनी में क्यूरेटेड वॉकथ्रू, श्रवण-बाधितों के लिए सांकेतिक भाषा में आयोजित पर्यटन और दृष्टिबाधितों के लिए स्पर्श अनुभव पर्यटन शामिल किए गए। मंत्री ने ई-नीलामी के 5वें संस्करण में विभिन्न वस्तुओं की लोकप्रियता पर प्रकाश डाला गया, जिसमें भगवान लक्ष्मी नारायण विट्ठल और देवी रुक्मिणी की प्रतिमा (23ए0384), बछड़े के साथ कामधेनु की स्मृति चिन्ह (23ए0776), येरुसलम की स्मारिका (23ए0580), अराणमुला कन्नाडी (23ए0039), भगवान राम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान की पीतल की मूर्ति (23ए0012), राम दरबार की मूर्ति (23ए0623), और स्वर्ण मंदिर अमृतसर का मॉडल (23ए0404) आदि शामिल हैं।

इसके अलावा, मंत्री ने उच्च कलात्मक मूल्य वाले स्वदेशी कलाकृतियों पर प्रकाश डाला जो संग्रहालयों में या कलाप्रेमियों के घरों में रखने के लिए बहुत उपयुक्त हैं। ये कला कृतियां सम्मान और देखभाल के लायक हैं। इनमें से कुछ वस्तुओं में पद्मश्री कलाकार दुर्गा बाई की गोंड पेंटिंग (23ए0654), चंबा रूमाल (23ए0348), कावड़ कला (23ए0779), कर्नाटक के यक्षगान नृत्य की टोपी (23ए0543) और बीदरी कला में बसवन्ना की आवक्ष प्रतिमा (23ए0703) शामिल हैं।

परंपरा को ध्यान में रखते हुए इस ई-नीलामी से प्राप्त धन को विशेष रूप से नमामि गंगे कार्यक्रम के समर्थन में एक नेक काम में लगाया जाएगा। केंद्र सरकार की यह प्रमुख पहल हमारी राष्ट्रीय नदी, गंगा को संरक्षित करने, बहाल करने और इसके संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। इस नीलामी के माध्यम से प्राप्त धन देश की अमूल्य राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा के लिए हमारी अटूट प्रतिबद्धता को मजबूत करेगा।

पैसे से चुनाव जीतने की बात करने वाले भाजपा नेताओं पर हो कार्रवाई: कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने कहा है कि मध्य प्रदेश में मंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी के जो नेता भ्रष्टाचार में लिप्त हैं और पैसे के बल पर चुनाव जीतने की बात कर रहे हैं उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

महिला कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा मध्य प्रदेश कांग्रेस की वरिष्ठ नेता शोभा ओझा ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और इस चुनाव में भाजपा बुरी तरह से हार रही है इसलिए उसके नेता, जनता को तरह-तरह के प्रलोभन दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य के परिवहन एवं राजस्व मंत्री गोविंद सिंह राजपूत एक वीडियो में कहते दिख रहे हैं कि जिस बूथ पर भाजपा को ज्यादा वोट पड़ेगा, उनके बूथ प्रभारियों को 25 लाख रुपए देंगे। एक अन्य वीडियो में कैलाश विजयवर्गीय ये कहते दिख रहे हैं कि जिस बूथ पर कांग्रेस को एक भी वोट नहीं मिलेगा उस बूथ के प्रभारी को मैं 51 हजार रुपए ईनाम दूंगा। यहां एक सवाल ये भी उठता है कि भाजपा के इन नेताओं के पास बूथ प्रभारियों को देने के लिए इतने पैसे कहां से आए।

कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा नेताओं द्वारा कार्यकर्ताओं को लाखों रुपए देने की बात जब सामने आई, तो इसकी शिकायत मुख्य चुनाव आयोग और राज्य चुनाव आयोग से की गई। चुनाव आयोग ने इसकी जांच कर गोविंद सिंह राजपूत पर प्राथमिकी दर्ज की है।

उन्होने कहा कि राज्य सरकार में जो मंत्री तथा भाजपा नेता पैसे के बल पर चुनाव जीतने की बात कर रहे हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। श्री राजपूत पैसा देकर चुनाव जीतने की बात कर रहे हैं इसलिए उनको तुरंत बर्खास्त कर चुनाव लड़ने से रोका जाना चाहिए और उनकी संपत्ति की जांच होनी चाहिए। उन्होंने इस संबंध में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से भी जवाब मांगा है।

समलैंगिक विवाह पर फैसला देने के बाद पहली बार आया चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ का बयान

-कहा समलैंगिक विवाह पर फैसला अंतरात्मा की आवाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में समलैंगिक विवाह पर अपना फैसला सनी के बाद सुना दिया गया है जिसमें एक राय नहीं बनी थी। इस फैसले के आने के कुछ दिनों के बाद भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने सोमवार को इस मामले पर एक बड़ा बयान दिया है। समलैंगिक विवाह पर दिए गए फैसले को लेकर उन्होंने कहा कि वह अपनी अल्पमत राय पर कायम है।

बार और बेंच की रिपोर्ट की माने तो चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया चंद्रचूड़ ने जॉर्ज टाउन यूनिवर्सिटी लॉ सेंटर वॉशिंगटन डीसी और सोसाइटी फॉर डेमोक्रेटिक राइट्स नई दिल्ली की ओर से आयोजित एक कानूनी चर्चा के दौरान अपनी राय पेश की है। इस दौरान उन्होंने कहा है कि आमतौर पर संवैधानिक महत्व के मुद्दों पर जो फैसले दिए जाते हैं वह अंतरात्मा की आवाज होते हैं। इसी तरह समलैंगिक विवाह मामलों में अल्पमत फैसले पर वह कायम है।

उन्होंने बताया कि कई बार अंतरात्मा की आवाज और संविधान का वोट होता है। उन्होंने दृढ़ता के साथ कहा कि मैंने जो भी कुछ कहा मैं उसे पर कायम हूं। यही नहीं उन्होंने अपने फैसले की व्याख्या भी की। उन्होंने कहा मैं अल्पमत में था एनी पर दूध नहीं सकते हैं और फिर मेरे तीन सहकर्मी इस बात से असहमत हो गए। उन्होंने कहा कि समलैंगिक जोड़ों को गोद लेने की अनुमति न देना दुर्भाग्यपूर्ण और भेदभाव पूर्ण है।

रक्षा मंत्री ने अरुणाचल प्रदेश के तवांग में की शस्त्र पूजा, सैनिकों के साथ मनाया दशहरा

- बोले, सीमाओं पर तैनात जवानों की बदौलत दुनिया में बढ़ा है भारत का कद

- राजनाथ ने दूरबीन के जरिये सीमा पार देखीं चीनी सीमा कार्मिक बैठक सुविधा

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विजयादशमी पर अरुणाचल प्रदेश के तवांग में शस्त्र पूजा की और सैनिकों के साथ दशहरा पर्व मनाया। उन्होंने सीमा पर तैनात जवानों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि आपने सीमाओं को सुरक्षित रखा है, इसीलिए दुनिया के सामने भारत का कद तेजी से बढ़ रहा है। अगर आपने देश की सीमा को सुरक्षित नहीं रखा होता, तो यह कद संभव नहीं होता।

रक्षा मंत्री हर साल सैनिकों के साथ दशहरा पर्व मनाने और शस्त्र पूजा करने के लिए देश की किसी न किसी सीमा पर जाते हैं। उन्होंने पिछले साल चमोली (उत्तराखंड) के औली मिलिट्री स्टेशन में 'शस्त्र पूजा' की थी। इसके बाद चीन सीमा से सटे देश के अंतिम गांव माणा जाकर सेना और आईटीबीपी की

अग्रिम चौकियों का निरीक्षण करने के साथ ही सैनिकों के संग दशहरा पर्व मनाया था। इस बार रक्षा मंत्री अरुणाचल प्रदेश से लगी चीन सीमा पर तैनात सैनिकों के साथ दशहरा पर्व मनाने के लिए पहुंचे हैं और उनके साथ शस्त्र पूजा भी की है।

रक्षा मंत्री सोमवार को ही अरुणाचल प्रदेश की अपनी यात्रा से पहले असम के तेजपुर पहुंचे और बड़ाखाना में शामिल होकर सैनिकों के साथ भोजन किया। आज सुबह तवांग में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शस्त्र पूजा की और सैनिकों के साथ दशहरा पर्व मनाया। उन्होंने जवानों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि आपने सीमाओं को सुरक्षित रखा है और यही कारण है कि दुनिया के सामने भारत का कद तेजी से बढ़ रहा है। सभी विकसित देश इस वास्तविकता को स्वीकार करते हैं कि पिछले 8-9 वर्षों में भारत का कद बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि अगर भारत का कद बढ़ा है और भारत ने आर्थिक विकास किया है, तो यह वास्तव में महत्वपूर्ण है। अगर आपने देश की सीमा को सुरक्षित नहीं रखा होता, तो यह कद संभव नहीं होता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि जिस कठिन परिस्थिति में आप देश की सीमाओं की रक्षा की जिम्मेदारी निभा रहे हैं, उसकी जितनी सराहना की जाए, उतनी कम है। मैं आपको बताना चाहूंगा कि देशवासियों को आप पर गर्व है। आप अपनी वर्दी का महत्व जानते हैं। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के बुम-ला से दूरबीन के जरिये भारतीय पक्ष में 'अतुल्य भारत' द्वार और सीमा पार चीनी सीमा कार्मिक बैठक सुविधा (नीली छत वाली झोपड़ियां) देखीं और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने उन्हें भारत की परिचालन क्षमताओं के बारे में जानकारी दी।

दिल्ली में हवा होने लगी जहरीली, उधर केजरीवाल सरकार और अफसरशाही के बीच छिड़ी रार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में एयर क्वॉलिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 300 के पार है। एक ओर जहां हवा जहरीली होने से लोग टेंशन में हैं। वहीं दूसरी तरफ फिर दिल्ली सरकार और अफसरशाही के बीच रार छिड़ गई है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से अफसरों की शिकायत कर कहा है कि वह जरूरी बैठक में नहीं आए। मंत्री ने कहा है कि कोई भी बड़ा फैसला करना और उन्हें लागू करवाना मुश्किल हो गया है।

दिल्ली में एक्यूआई 300 के पार होने के बाद पर्यावरण मंत्री ने विभागों की बैठक बुलाई। बैठक के बाद पर्यावरण मंत्री ने दिल्ली में 8 नए हॉटस्पॉट के नाम बताए तब सरकार की ओर से उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। इसके बाद उनका लेटर भी सामने आया जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से कई वरिष्ठ अफसरों की शिकायत की। राय ने कहा, ग्रेप-2 के नियमों को दिल्ली में सख्ती से लागू करने के लिए दिल्ली सचिवालय में संबंधित विभागों की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई थी। ग्रेप-2 नियमों को प्रभावी तरीके से लागू करने में पर्यावरण विभाग, डीपीसीसी, राजस्व विभाग और ट्रांसपोर्ट विभाग के अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। लेकिन हमें अफसोस के साथ आपको सूचित करना पड़ रहा है कि आज के इस महत्वपूर्ण बैठक में पर्यावरण विभाग के प्रमुख सचिव एके सिंह, डीपीसीसी चेयरमैन और राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव अश्विनी कुमार और परिवहन विभाग के आयुक्त और प्रमुख सचिव आशीष कुंद्रा अनुपस्थित रहे।

मंत्री ने कहा कि इसकी वजह से कोई भी महत्वपूर्ण फैसला लेना या उसको लागून करवाना बहुत कठिन है। उन्होंने अफसरशाही में बदलाव की मांग कर कहा, आपसे निवदेन है कि प्रदूषण की गंभीर स्थिति से कारगर तरीके से निपटने के लिए अतिशीघ्र नेशनल कैपिटल सिविल सर्विस अथॉरिटी की बैठक बुलाकर इसतरह के अधिकारियों की नियुक्ति की जाए जो प्रदूषण की समस्या के प्रति संवेदनशील हों और प्रदूषण को कम करने में सक्रियता से काम कर सकें।

परिवहन सचिव कुंद्रा ने कहा, कुछ संवादहीनता लग रही है। शुक्रवार को केंद्रीय पर्यावरण मंत्री की अध्यक्षता में बैठक हुई थी, जिसमें सभी हितधारक मौजूद थे।सीएक्यूएम चैयरमैन ने भी वायु गुणवत्ता के मुद्दे पर प्रजेंटेशन दी थी। अश्वीनी कुमार ने कहा कि वह दूसरी बैठक में थे और डीपीसीसी के मेंबर सेक्रेट्रीज को राय की मीटिंग में रहने को कहा गया था।

तीन सदस्यीय एनसीसीएसए के अध्यक्ष दिल्ली मुख्यमंत्री हैं, जबकि चीफ सेक्रेट्री नरेश कुमार सदस्य हैं। केंद्र सरकार ने दिल्ली के सेवा मामलों से जुड़े फैसलों के लिए इसका गठन किया है। माना जा रहा है कि केजरीवाल इन अफसरों को हटाने का प्रस्ताव अगली बैठक में ला सकते हैं। यह विवाद उस समय पर सामने आया है जब दिल्ली सरकार और अफसरशाही के बीच कई मुद्दों पर पहले से टकराव कायम है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

विजयदशमी पर शहर के पुलिस मुख्यालय में शस्त्र पूजन करते गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी

हर्ष संघवी ने कहा- 'आइए नकारात्मकता के रावण का दहन करें, हृदय में सकारात्मकता की लौ जलाएं'

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

विजयदशमी के अवसर पर गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने सूरत शहर के पुलिस मुख्यालय में पुलिस कर्मियों के साथ शास्त्रोक्त विधि से शस्त्रपूजन किया। गृह मंत्री ने राज्य के नागरिकों, सभी सुरक्षा कर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि विजयादशमी का पावन पर्व आसुरी शक्ति पर दैवीय शक्ति की विजय का प्रतीक है। उन्होंने दशहरा का अर्थ खामियों पर खुबियों की जीत बताते हुए नकारात्मकता के रावण को जलाकर हृदय में सकारात्मकता की लौ जलाने का आह्वान किया।

यह कहते हुए कि पिछले दो वर्षों से राज्य में नशीली दवाओं के दानव से लड़ने और नशीली दवाओं के रैकेट को पूरी तरह से खत्म करने के लिए एक अभियान चल रहा है, राष्ट्र, राज्य के लोगों की सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा के लिए पुलिस बल के कर्तव्य की सराहना की।

इस अवसर पर पुलिस आयुक्त अजय कुमार तोमर, संयुक्त पुलिस आयुक्त वाबांग ज़मीर, संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) एच. आर. चौधरी, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) शरद सिंघल, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (सेक्टर 1) के.एन. डामोर सहित सभी डीसीपी, एसीपीओ और पुलिसकर्मी मौजूद थे।

डायमंड बुर्स के 983 दफ्तरों में कुंभ घडा रखा गया, 17 दिसंबर को पीएम मोदी करेंगे औपचारिक उद्घाटन

विजयदशमी के अवसर पर हीरा उद्योग अग्रणीओंने अपने कार्यालय में प्रवेश किया

सूरत डायमंड बुर्स में उपस्थित अतिथि एवं कुंभ घडा रखते परिवार के सदस्य

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत :दशहरे के शुभ दिन पर सूरत डायमंड बुर्स (एसडीबी) में हीरा कार्यालयों को कार्यरत करने की दिशा में पहला कदम उठाया गया है। सूरत-मुंबई के 983 हीरा व्यापारियों ने सूरत डायमंड बुर्स में अपने कार्यालयों में कुंभ घड़ा की स्थापना की। इस मौके पर गुजरात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सी.आर. पाटिल विशेष रूप से उपस्थित थे। कुंभ की स्थापना से पहले हीरा व्यापारियों के परिवार ने परंपरागत रूप से कलश यात्रा निकाली। सहकारी क्षेत्र की दुनिया की सबसे बड़ी परियोजना और सूरत के खजोद में दुनिया के सबसे बड़े कार्यालय भवन के रूप में प्रसिद्ध सूरत डायमंड बुर्स के उद्घाटन की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। 24 अक्टूबर 2023 को दशहरे के शुभ दिन सुबह हीरा व्यापारियों ने सूरत डायमंड बुर्स के 983 कार्यालयों में कुंभ स्थापित कर कार्यालय खोलने की तैयारी शुरू कर दी है। विजयादशमी के शुभ दिन पर सूरत डायमंड बर्से में कार्यालय वाले कुल 983 छोटे-बड़े व्यवसायियों ने अपने परिवार के साथ अपने कार्यालयों में शास्त्रोक्त विधि-विधान के साथ कुंभ घड़ा स्थापित किया है। इस दुर्लभ कार्यक्रम में सूरत डायमंड बुर्स के सभी समिति सदस्यों सहित 5000 से अधिक लोग शामिल हुए। सूरत डायमंड बुर्स का औपचारिक उद्घाटन 17 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे।

नगर निगम के सिटी बस चालको पर अनियमित ड्राइविंग की शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं

बीआरसी रोड से डिंडोली वरिग्रह की ओर आने वाले ओवर ब्रिज पर बसों के खतरनाक संचालन की शिकायत के बाद चेयरमैन ने जांच के आदेश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम ने लोगों की सुविधा के लिए जन परिवहन सेवा शुरू की है, लेकिन नगर निगम के सीटी और बीआरटीएस बस चालक नगर निगम की व्यवस्था पर खरे नहीं उतरते हैं। अब तक कई हादसों में करीब १०० लोगों की जान जा चुकी है। नगर निगम के सिटी बस चालक यमदूत की भूमिका में लापरवाही से वाहन चलाने की शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होने से चालक और भी लापरवाह हो गया है। बीआरसी रोड से डिंडोली वरिग्रह की ओर आने वाले ओवर ब्रिज पर बीआरटीएस इलेक्ट्रिक बसों के चालकों द्वारा खतरनाक संचालन की शिकायत के बाद परिवहन समिति के अध्यक्ष सोमनाथ मराठे ने जांच के आदेश दिए हैं। इस शिकायत के बावजूद सिटी बस चालक अब भी शहर की सड़कों पर लापरवाही से बसें चलाकर लोगों के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं।

सूरत नगर निगम की सिटी बस और बीआरटीएस बस के कंडक्टरों के खिलाफ टिकट घोटाले की शिकायतें तो खूब आती हैं लेकिन अब इसके साथ-साथ बसें चलाने वाले ड्राइवरों के खिलाफ भी शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं। चाहे सड़क खुली हो या यातायात हो, सिटी बस चालक तेज गति से गाड़ी चलाते हैं, जिससे अन्य वाहन चालकों या पैदल यात्रियों को खतरा होता है। इतना ही नहीं अन्य वाहन चालकों के साथ दुर्व्यवहार की शिकायत भी लगातार बढ़ रही है।

ड्राइवर कंडक्टर आपूर्ति एजेंसी पर नगर निगम का छुपा आशीर्वाद हैं, इसलिए शिकायत होने पर वह मामूली जुर्माना लगाती है या चालक को निलंबित करती है। नगर निगम व्यवस्था की ऐसी शुतुरमुर्ग नीति के कारण सीटी और बीआरटीएस बस चालक लापरवाह हो गए हैं और पूरी रफ्तार से बसें दौड़ा रहे हैं। नगर निगम आम लोगों की शिकायतों पर आंखें मूंद लेती है लेकिन कल परिवहन समिति अध्यक्ष ने ही शिकायत की थी कि ड्राइवर खतरनाक ढंग से बस चला रहा है।

कल परिवहन समिति के अध्यक्ष सोमनाथ मराठे को शिकायत मिली कि बीआरटीएस इलेक्ट्रिक बस चालक बीआरसी रोड से डिंडोली वरिग्रह की ओर आने वाले ओवर ब्रिज पर खतरनाक तरीके से गाड़ी चला रहा है और अन्य लोगों के लिए खतरा पैदा कर रहा है। वाहन चालकों ने बस का नंबर और फोटो परिवहन समिति अध्यक्ष को वोट्सअप किया है। जिसके आधार पर परिवहन समिति के अध्यक्ष ने प्रशासन को ऐसे ड्राइवरों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

नए सिविल अस्पताल के परिसर में एक अत्याधुनिक पुलिस चौकी का निर्माण

मरीजों और उनके परिवारों, डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ,मेडिकल छात्रों को पुलिस सेवा और कानूनी सहायता सिविल परिसर में

पुलिस आयुक्तअजय तोमर द्वारा नवी सिविल में नवनिर्मित पुलिस चौकी का उद्घाटन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नए सिविल अस्पताल के इतिहास में पहली और सबसे महत्वपूर्ण पहल के तहत सिविल परिसर में एक अत्याधुनिक पुलिस चौकी का निर्माण किया गया है। नवी सिविल में नवनिर्मित पुलिस चौकी का उद्घाटन पुलिस आयुक्तअजय तोमर ने किया। सिविल पुलिस चौकी स्थापित होने से मरीजों एवं उनके परिजनों, डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ, मेडिकल छात्रों को सिविल परिसर में ही पुलिस सेवाएं एवं कानूनी सहायता उपलब्ध हो सकेगी। इस पुलिस चौकी के निर्माण से लघु भारत सूरत में रहने वाले देश के आदिवासी क्षेत्रों, गांव के लोगों और सभी परप्रांतिय नागरिकों को कानूनी और पुलिस सहायता मिलेगी।

पुलिस आयुक्त अजय तोमर ने अधिक पुलिस कर्मियों की भर्ती करके भी इस पुलिस चौकी को और अधिक उन्नत और जनोपयोगी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि मरीजों और मेडिकोलीगल मामलों में जरूरतमंदों को तत्काल और

संवेदनशील पुलिस सेवाएं प्रदान करने से लोकाभिमुख पुलिस की अवधारणा साकार होगी।

सिविल चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गणेश गोवेकर ने कहा कि सिविल परिसर में पुलिस चौकी कानून व्यवस्था बनाए रखने और विशेष रूप से भर्ती और उपचारित रोगियों और उनके परिवारों के लिए एक वरदान होगी। गैर विरासती शवों के सिविल मामले, गैर विरासती लोगों के दुर्घटना के मामले, मारपीट, नशा के मामले, मेडिकोलीगल मामले और पंचनामा के साथ-साथ पुलिस प्रमाणपत्र, नागरिक सुरक्षा के मुद्दे, मेडिकल कॉलेज के और नर्सिंग कॉलेज के मुद्दों का समाधान किया जा सकता है। 30 से 40 किलोमीटर दूर तालुका पुलिस को अब कानूनी मामलों के पंचनामे के लिए सूरत नहीं आना पड़ेगा। पंचनामे की रस्म सिविल पुलिस चौकी के माध्यम से हो सकेगी। वहीं गृह मंत्री हर्ष संघवी ने भी यहां पुलिस चौकी बनाने का आश्वासन दिया था उन्होंने पुलिस चौकी की सौगात देने के लिए राज्य सरकार, पुलिस विभाग और गृह मंत्री को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर अपर पीओ. आयुक्त (सेक्टर-1) के.एन. डामोर, डीसीपी विजय गुर्जर, एसीपी जे. आर. देसाई, खटोदरा पुलिस निरीक्षक आर.के. धूलिया, मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. रागिनी वर्मा, आर.एम.ओ. डॉ. केतन नायक, नर्सिंग काउंसिल के इकबाल कड़ीवाला, यूनी सिंडिकेट सदस्य और सिविल के टीबी विभाग के प्रमुख डॉ. पारुल वडगामा, डॉ. धारीत्री परमार, वार्ड नंबर 20 के नगर सेवक, डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, नर्सिंग एसोसिएशन की टीम के सदस्य, सामाजिक नेता उपस्थित थे।

फाफड़ा-जलेबी के लिए लंबी कतारें, दशहरे पर 20 करोड़ की बिक्री का अनुमान

सूरत में प्रति किलो कीमत 400 रूपए, 5 लाख किलो से ज्यादा बिकेगी फाफड़ा-जलेबी

मनचाहि दुकान से फाफड़ा जलेबी के लिए लंबी कतार में खड़े सुरतिलाला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरतिलाला हर शुभ अवसर और त्यौहार पर अलग-अलग तरह के व्यंजन बनाते हैं। इसी तरह दशहरे के दिन भी सुरतिलाल फाफड़ा और जलेबी का आनंद लेते हैं। सूरती दशहरे के दिन तडके 4 बजे से ही दुकानों के बाहर कतार में खड़े हो गए। इस साल एक ही दिन में 5 लाख किलो से ज्यादा फाफड़ा-जलेबी का औसतन 400 रूपये प्रति किलो के हिसाब से 20 करोड़ रूपये की बिक्री का अनुमान है।

सुबह से ही लोग फाफड़ा और जलेबी खरीदने के लिए लाइन में लगे दिखे। दशहरे के दिन अलग-अलग इलाकों में फाफड़ा और जलेबी की फरसाण दुकानों के बाहर सूरतियों की कतार सालों से इसी तरह लगी रहती है। फरसाण की दुकानों पर देर रात तक फाफड़ा और जलेबी बनाई जाती है। छोटे-बड़े सभी लोग दशहरा मनाते नजर आ रहे हैं।

फाफड़ा-जलेबी की कीमत इस साल मामुली बढ़त की गई है। शहर में छोटी बड़ी करीब 5 हजार दुकानें हैं, जिनमें से औसतन 50-50 किलो फाफड़ा-जलेबी बिक जाएगी। शहर की अनुमानित आबादी 65 लाख में विशेषकर 20 लाख मूल सूरती, से सौराष्ट्र निवासियों के बीच दशहरे पर फाफड़ा-जलेबी खाने की परंपरा देखी जाती है। इस बार तेल की कीमतों में बढ़ोतरी नहीं होने से फरसाण की कीमतें भी नहीं बढ़ीं। फाफड़ा और जलेबी की कीमतों में भी मामूली बढ़ोतरी देखी जा रही है।

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180 या फोटा,वीडियो हमें भेजे